twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | बुधवार, 11 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 208, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

विपक्ष केवल विरोध की राजनीति कर रहा है - मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष का उद्देश्य सिर्फ विरोध के लिए विरोध करना रह गया है। कांग्रेस नेता विकास योजनाओं को लेकर निराधार आरोप लगा रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि विपक्ष के नेता स्वयं इन योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, लेकिन इसका ज़िक्र करने से कतराते हैं। एनएच-152डी इसका एक बड़ा उदाहरण है, जिसकी प्रशंसा हरियाणा का प्रत्येक नागरिक कर रहा है। मुख्यमंत्री आज पंचकूला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 गौरवशाली वर्षों की उपलब्धियों को लेकर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, महीपाल ढांडा, विपुल गोयल, डॉ. अरविंद शर्मा, श्याम सिंह राणा, कृष्?ण कुमार बेदी, राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, पूर्व मंत्री कंवर पाल और मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि विपक्ष को जनता को सही जानकारी देनी चाहिए कि सरकार क्या कर रही है, लेकिन वे तो सड़कों के निर्माण, एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देने, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ने, किसानों को मुआवजा मिलने जैसे जनहित कार्यों का भी विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को परमात्मा सद्बुद्धि दे, ताकि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में हुए ऐतिहासिक बदलावों को समझ सके और इस राष्ट्रीय गौरव उत्सव में सहभागी बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया है, वहीं हरियाणा सरकार ने पंचायतों व शहरी निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देकर नारी सशक्तिकरण को नया आयाम दिया है।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों से मिले पीएम मोदी

पाक टेररिज्म को बेनकाब करने के मिशन का लिया फीडबैक

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार शाम उन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मुलाकात की, जिन्होंने पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को बेनकाब करने के लिए दुनिया के कई देशों की राजधानियों का दौरा किया। यह दौरे ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुए थे। इन प्रतिनिधिमंडलों ने अपने दौरों का अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किया। केंद्र सरकार पहले ही इन सात प्रतिनिधिमंडलों के काम की सराहना कर चुकी है। इन प्रतिनिधिमंडलों में 50 से अधिक लोग शामिल थे, जिनमें ज्यादातर मौजूदा सांसद थे। इन प्रतिनिधिमंडलों में पूर्व सांसद और पूर्व राजनयिक भी शामिल थे। इन दलों ने 33 देशों की राजधानियों और यूरोपीय संघ के मुख्यालय का दौरा किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पहले ही इन प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की है और उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख को प्रभावी तरीके से दुनिया के सामने रखने के लिए उनकी सराहना की है। चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने किया, जिनमें दो बीजेपी के, एक जेडीयू के और एक शिवसेना के सांसद शामिल थे। वहीं तीन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व विपक्षी सांसदों ने किया, जिनमें एक-एक कांग्रेस, द्रमुक और राकांपा (शरदचंद्र पवार) से थे। भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, कांग्रेस के शशि थरूर, जेडीयू के संजय झा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, द्रमुक की कनिमोई और राकांपा (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया। सरकार ने इन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को यह संदेश देने के लिए भेजा था कि आतंकवाद के खिलाफ भारत एकजुट है। इस अभियान में कांग्रेस सांसद शशि थरूर और एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता भी शामिल हुए और उन्होंने मिलकर भारत का पक्ष विदेश में रखा। प्रतिनिधिमंडलों में शामिल प्रमुख पूर्व सांसदों में पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद और सलमान खुर्शीद भी थे।

22 अप्रैल को हुआ था पहलगाम आतंकी हमला

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमला हुआ था। जिसमें 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इनमें अधिकांश पर्यटक शामिल थे। इन लोगों की हत्या करने से पहले आतंकवादियों ने इनकी धर्म की पहचान की थी। इस घटना के करीब दो हफ्ते बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इस सैन्य अभियान के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इन हमलों में सैकड़ों आतंकवादी मारे गए। इसके बाद आतंकवादियों के बचाव में उतरी पाकिस्तानी सेना ने भारत पर ड्रोन और मिसाइलों से हमले की कोशिश की, लेकिन भारत की एस-400 और आकाशतीर जैसी रक्षा प्रणालियों ने इन्हें आसमान में खाक कर दिया। यही नहीं, भारतीय सेना ने पाकिस्तान के दस से ज्यादा एयरबेस को भी ध्वस्त किया।

आतंकियों के खिलाफ होगी कार्रवाई, चाहे वे कहीं भी हों: डॉ. एस. जयशंकर

नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने आतंकवाद के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए कहा है कि भारत आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, चाहे वे कहीं भी हों। एक फ्रांसिसी समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा, हमें परवाह नहीं है कि वे कहां हैं। अगर वे पाकिस्तान के भीतर हैं, तो हम वहां भी जाएंगे। फ्रांसिसी समाचार पत्र ले फिगारो को दिए साक्षात्कार में जयशंकर ने कहा कि भारत के सैन्य अभियानों की प्रभावशीलता, विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पाकिस्तानी हवाई अड्डों पर हुए नुकसान से प्रमाणित होती है। भारतीय विमानों को हुए नुकसान से जुड़े प्रश्न पर उन्होंने कहा कि सफलता का असली माप दुश्मन की क्षमताओं का विनाश होता है। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद को केवल भारत-पाकिस्तान के द्विपक्षीय संघर्ष के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि इसे एक वैश्विक मुद्दा माना जाना चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान के साथ चीन के घनिष्ठ संबंधों के संदर्भ में कहा कि चीन आतंकवाद से निपटने में अस्पष्टता या दोहरे मापदंड लेकर नहीं चल सकता। आतंकवाद ऐसी समस्या है जो सभी देशों को प्रभावित करती है। चीन और पाकिस्तान के बीच दशकों से घनिष्ठ संबंध रहे हैं लेकिन आतंकवाद जैसे मुद्दे पर अस्पष्टता या दोहरे मापदंड नहीं चल सकते।

रक्षा क्षेत्र की प्रगति में आधुनिकता और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने रक्षा क्षेत्र में अद्वितीय प्रगति देखी है। प्रगति की इस यात्रा में आधुनिकता और आत्मनिर्भरता पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रधानमंत्री ने इसे भारतीयों की सामूहिक इच्छा और दृढ़ संकल्प का परिणाम बताते हुए कहा कि यह संकल्प भारत को तकनीकी उत्कृष्टता की ओर ले जा रहा है। मोदी ने मायगोवइंडिया पर एक पोस्ट का जवाब देते हुए कहा, पिछले 11 वर्षों में हमारे रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। यह देखकर खुशी होती है कि लोग मिलकर भारत को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने 11ईयरऑफरक्षाशक्ति हैशटैग का भी उपयोग किया। उल्लेखनीय है कि भारत की रक्षा प्रणाली में सुधार के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की गई हैं। इनमें विदेशी निर्भरता कम करते हुए स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना शामिल है। इन प्रयासों से भारत की रक्षा क्षमता में वृद्धि हुई और यह वैश्विक स्तर पर एक मजबूत स्थिति में खड़ा है।

स्कूलों की फीस बढ़ोतरी पर रोक के लिए अध्यादेश को मंजूरी

नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस वसूली पर रोक लगाने के लिए अध्यादेश को मंजूरी दी है। इसका नाम द दिल्ली स्कूल एजुकेशन (ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीज) ऑर्डिनेंस, 2025 है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को दिल्ली मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इस संदर्भ में पत्रकार वार्ता में बताया कि यह फैसला लाखों छात्रों और उनके माता-पिता के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा।

मंत्री ने कहा कि पिछले कई वर्षों से प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि पर कोई नियंत्रण नहीं था। इस अध्यादेश के माध्यम से माता-पिता के आर्थिक शोषण को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। यह अध्यादेश 01 अप्रैल 2025 से प्रभावी माना जाएगा। आशीष सूद ने कहा कि अध्यादेश को उपराज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। जैसे ही मंजूरी मिलती है, यह कानून के रूप में लागू हो जाएगा। शिक्षा मंत्री ने इस दौरान पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार में माता-पिता का लगातार आर्थिक शोषण होता रहा लेकिन अब, दिल्ली सरकार ने इस नाइंसाफी को खत्म करने का अहम फैसला किया है। आज का दिन मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए एक सुनहरा अवसर है। यह अध्यादेश निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाने में मदद करेगा। दिल्ली में 1677 प्राइवेट स्कूलों पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

तकनीक दोधारी तलवार: चीफ जस्टिस बीआर गवई

न्यायिक कामकाज लिए हो इस्तेमाल, फैसले लेने के लिए नहीं

नई दिल्ली

चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा कि तकनीक एक दोधारी तलवार की तरह है। इसका उपयोग न्यायिक कामकाज को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए, न कि फैसले लेने की प्रक्रिया की जगह लेने के लिए। सीजेआई सोमवार को कैंब्रिज विश्वविद्यालय में 'न्याय तक पहुंच में तकनीक की भूमिका' विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत जैसे बड़े और विविध देश में न्याय तक पहुंच को आसान बनाने में तकनीकी की बहुत बड़ी भूमिका हो सकता है। भारतीय न्यायपालिका ने तेजी से तकनीक को अपनाया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को न्याय मिल सके। उन्होंने कहा, हमें यह भी मानना होगा कि तकनीक एक दोधारी तलवार की तरह काम कर सकती है, जो असमानता को और बढ़ा सकती है। एक बड़ी चिंता 'डिजिटल डिवाइड' यानी तकनीकी असमानता है, जहां इंटरनेट, उपकरणों और डिजिटल ज्ञान की समान पहुंच न होने के कारण वे लोग पीछे छूट सकते हैं जो पहले से ही न्याय तक पहुंचने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अगर तकनीक को सच में न्याय के लिए इस्तेमाल करना है, तो उसकी योजना बनाते समय समानता और समावेशन को आधार बनाना होगा। हालांकि, जस्टिस गवई ने कहा कि नीतिगत दखल के बिना न्याय प्रदान करने की प्रणाली में कोई क्रांति नहीं लाई जा सकती। उन्होंने कहा, शासन का ऐसा ढांचा विकसित किया जाना चाहिए, जो मानवीय निगरानी, एल्गोरिदम संबंधी पारदर्शिता और तकनीक आधारित मध्यस्थ फैसलों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करे। सीजेआई ने आगे कहा, आगे बढ़ने का रास्ता बुनियादी सिद्धांतों का पालन मांगता है। तकनीक का लिए नहीं, बल्कि उसे बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

'पाक को आतंक विरोधी समिति में रखना बिल्ली से दूध की रखवाली करवाने जैसा: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी पर खुलकर बात की। पहलगाम में आतंकियों ने जिस तरह धर्म पूछकर लोगों को निशाना बनाया, उसने देश को झकझोर दिया। उन्होंने धर्म पूछकर मारा, लेकिन हमने उनका धर्म पूछकर नहीं, उनका कर्म देखकर मारा। यह देश की सामाजिक एकता पर हुआ हमला था। धर्म पूछकर मारने के पीछे उनका उद्देश्य था भारत की सांस्कृतिक एकता को नुकसान पहुंचाना। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने उनके आतंकी ढांचे को तबाह कर दिया। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के मुख्यालयों पर पहली बार किसी ने हमला किया है, तो वह भारत है। यह आतंकियों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हम आतंकियों को नहीं, बल्कि आतंकी ढांचे को भी पूरी तरह से खत्म करें, यह जरूरी है।

पूरी दुनिया में पाकिस्तान को बेनकाब करना जरूरी हो गया है। यह बात पूरी दुनिया के सामने आ रही है कि पाकिस्तान को फंडिंग का मतलब है कि आतंकवाद को फंडिंग।

रेरा के आदेश के खिलाफ डीडीए ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर रियल इस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) दिल्ली के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें रेरा ने डीडीए के हाउसिंग प्रोजेक्ट का रजिस्ट्रेशन कराने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने डीडीए की याचिका पर सुनवाई करते हुए रेरा दिल्ली और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 7 जुलाई को होगी। सुनवाई के दौरान डीडीए की ओर से पेश वकील रमेश सिंह और वृंदा कपूर देव ने रेरा के 2021 के आदेश का हवाला दिया। रेरा के 2021 के आदेश में डीडीए को निर्देश दिया गया है कि वो रेरा की धारा 3 के तहत अपने प्रोजेक्ट का रजिस्ट्रेशन कराए। रेरा की धारा 3 के तहत किसी भी प्रोजेक्ट के शुरू करने से पहले उसे रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। रेरा के इस आदेश पर रियल इस्टेट अपीलेट ट्रिब्यूनल ने सितंबर 2024 में मुहर लगाई थी।

जहां भी भाजपा सरकार है वहीं गरीब कल्याण है: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता कर केंद्र सरकार का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने इन 11 वर्षों के कार्यकाल को विकसित भारत एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का स्वर्णिम काल करार दिया। उन्होंने कहा कि इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी जी ने भारत को न केवल वैश्विक पहचान दी है, बल्कि स्वयं को तपाकर और खपाकर 140 करोड़ भारतवासियों को भी एक विश्वास का प्रतीक बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी का 11 वर्ष का यह कार्यकाल नए भारत को एक विकसित, आत्मनिर्भर, स्वर्णिम कालखंड के रूप में प्रस्तुत करता है। इस स्वर्णिम कालखंड के लिए हम उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश वासियों की ओर से प्रधानमंत्री जी को बधाई देते हैं।

जहां भी भाजपा सरकार है वहीं गरीब कल्याण है : पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मोदी जी का स्पष्ट कहना है कि जहां तकनीक है वहां तरक्की है। आपने देखा होगा कि जहां भाजपा की सरकार है वहीं गरीब कल्याण भी है। मोदी जी का स्पष्ट कहना है कि शासन अब सेवा का माध्यम बनेगा। सरकार आम जनमानस के साथ सहभागी बनेगी। सुशासन अब संस्कृति के रूप में देखने को मिल रहा है। 11 वर्ष के प्रधानमंत्री मोदी जी के शासनकाल को हमने इन रूपों में देखा है। 11 वर्ष का यह कार्यकाल सेवा को संकल्प के रूप में, सुशासन को संस्कृति के रूप में और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। यही है नया भारत, यही है विश्व का नए भारत पर विश्वास।

विश्व में भारत पर बढ़ा विश्वास : मुख्यमंत्री ने कहा, आजादी के 65 वर्षों में कांग्रेस नेतृत्व और अन्य अस्थिर सरकारों के कारण आमजन का विश्वास टूटा था, विश्वास खंडित हुआ था, वैश्विक मंच पर भारत की छवि तार-तार हुई थी। पिछले 11 वर्षों के अंदर प्रधानमंत्री मोदी जी के रूप में भ्रष्टाचार से मुक्त, परिवारवाद से मुक्त, तुष्टिकरण की राजनीति से मुक्त, एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने वाला एक ऐसा नेतृत्व मिला है जिन्होंने पूरे भारत को विश्वास का प्रतीक बनाकर भारत को विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की एक सुदृढ़ नींव का निर्माण करते हुए अगले 25 वर्ष के व्यापक कार्य योजना पूरे भारतवासियों के सामने प्रस्तुत की है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों का IED ब्लास्ट : एडिशनल एसपी आकाश राव गिरिपंजे हुए शहीद,कई पुलिसकर्मी घायल

एजेंसी

सुकमा । छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार को एक आईईडी ब्लास्ट में कोंटा के एडिशनल एसपी आकाश राव गिरिपंजे शहीद हो गए। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने घटना की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि यह ब्लास्ट सुबह 9-10 बजे के आस-पास हुआ है। इस घटना में कई अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हो गए हैं। अस्पताल में सभी का डॉक्टरों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है। रिपोर्ट्स और पुलिस सूत्रों के अनुसार, एएसपी गिरिपुंजे गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। यह हमला 10 जून को माओवादियों द्वारा दिए गए भारत बंद के आह्वान के बाद हुआ। सुकमा में हुए नक्सली हमले पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सुकमा जिले के एक इलाके में आईईडी ब्लास्ट में एडिशनल एसपी आकाश राव शहीद हो गए। यह बहुत दुख की बात है। वह एक बहादुर जवान थे और उन्हें कई वीरता पुरस्कार दिए गए थे। यह हमारे लिए एक दुखद क्षण है। तलाशी और अभियान शुरू कर दिया गया है। ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। अगर बातचीत के जरिए ये सब रुक जाता तो ये बहुत पहले ही खत्म हो जाती। माओवादियों की ये बार-बार की कायराना हरकतें उनकी असली

पहचान दिखाती हैं। अगर माओवादी बातचीत चाहते हैं तो सरकार बातचीत के लिए तैयार है। भाजपा-एनडीए सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। कानून-व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, देश में बम विस्फोटों पर पूरी तरह रोक लगी है और पूर्वोत्तर में उग्रवाद समाप्त हो गया है। जब भी आतंकवादियों ने हमला करने की कोशिश की, तो उन्हें सर्जिकल स्ट्राइक और मिसाइल ऑपरेशन सहित कड़ी प्रतिक्रिया दी गई, जिससे स्पष्ट संदेश गया है। आईईडी से जुड़े कई पिछले माओवादी हमलों में काफी लोग हताहत हुए हैं। जनवरी 2025 में, सुरक्षा काफिले को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट में नौ जवानों की जान चली गई थी। अप्रैल 2022 में, एक हमले में 11 लोगों की जान चली गई थी। मार्च 2021 में, जवानों को ले जा रही एक बस पर बम विस्फोट किया गया था, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी और 11 अन्य घायल हो गए थे। नवंबर 2018 में छत्तीसगढ़ के बघेली गांव में इसी तरह के विस्फोट में पांच लोगों की जान चली गई थी।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किए

एजेंसी

उज्जैन। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किये । पूजन पुजारी महेश शर्मा द्वारा सपन्न करवाया गया। दर्शन के बाद आपने कहा कि भस्मारती में अद्भुत अनुभूति हुई। बाबा महाकाल का बुलावा आया था, इसलिए आ गया। इस अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा उप प्रशासक एस.एन.सोनी, सहायक प्रशासक प्रतीक द्विवेदी ने माननीय राज्यपाल श्री शुक्ल का स्वागत और सत्कार किया।

पिछले 11 वर्ष, मोदी सरकार ने संविधान के हर पन्ने पर तानाशाही की स्याही रगड़ने में गँवाए : मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली। मोदी सरकार के सोमवार को 11 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला। मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर कहा पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुँचाया है। BJP-RSS ने हर संवैधानिक संस्था को कमज़ोर कर, उनकी स्वायत्तता पर कड़ा प्रहार किया। चाहे वो जनमत चुराकर पिछले दरवाज़े से सरकारें गिराना हो या एक-दलीय तानाशाही शासन जबरन लागू करना हो। इस दौरान, राज्यों के हकों की अनदेखी हुई है और संघीय ढांचे कमज़ोर हुए। समाज में नफ़रत, धमकी और डर का वातावरण फैलाने की कोशिश लगातार जारी है। दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक व कमज़ोर वर्गों का शोषण लगातार बढ़ा है। इनके आरक्षण व बराबरी के अधिकार से वंचित रखने की साजिश जारी है। मणिपुर की ना थमने वाली हिंसा भाजपा की प्रशासनिक विफलता का सबसे बड़ा सबूत है। BJP-RSS ने देश के GDP विकास दर को 5-6फीसदी की आदत डाल दी, जो UPA के दौरान 8फीसदी औसतन हुआ करता था। सालाना 2 करोड़ नौकरियों का वादा के बजाय युवाओं से करोड़ों नौकरियाँ छीनी। महँगाई से जनता की बचत 50 सालों में सबसे कम और आर्थिक असमानता 100 सालों में सबसे अधिक कर दी। नोटबंदी, गलत ज़ीएसटी, अनियोजित लॉक-डाउन और असंगठित क्षेत्र पर हथौड़ा चलाकर करोड़ों का भविष्य बर्बाद किया। Make in India, Startup India, Stand up India, Digital India, Namami Gange, 100 SMART Cities सब फेल हुए। रेलवे का बंटाधार किया। केवल कांग्रेस-UPA के बनाए गए Infra के फ़ीते काटे। पिछले 11 वर्ष, मोदी सरकार ने संविधान के हर पन्ने पर तानाशाही की स्याही रगड़ने में गँवाए हैं !

सोनम का हत्या में कोई हाथ नहीं, पुलिस खुद को बचा रही : पिता

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर के राजा रघुवंशी की मेघालय में हत्या के मामले में राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी का हाथ होने के मेघालय पुलिस के दावे के बीच सोनम के पिता ने इन आरोपों से इंकार करते हुए मामले की सीबीआई जांच की मांग को फिर से दोहराया है। सोनम के पिता देवी सिंह रघुवंशी ने यहां संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि उनकी बेटी सोनम का राजा की हत्या में कोई हाथ नहीं है। वो बेकसूर है। दोनों परिवारों के बीच आपसी सहमति से ये विवाह हुआ था। इस मामले में मेघालय पुलिस के दावे के संबंध में उन्होंने कहा कि वहां की पुलिस खुद शक के घेरे में थी, इसलिए उन्होंने सोनम को फंसवाया। इसके साथ ही उन्होंने एक बार फिर सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने इस बारे में भी जानकारी होने से इंकार किया कि सोनम उत्तरप्रदेश के गाजीपुर कैसे पहुंची। दरअसल मेघालय के मुख्यमंत्री कोनरेड के संगमा ने आज सुबह इस बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि मेघालय पुलिस ने राजा हत्याकांड में सात दिन बाद बड़ी सफलता हासिल की है। मध्यप्रदेश के तीन हत्यारे गिरफ्तार कर लिए गए हैं। एक महिला ने आत्मसमर्पण किया है। एक और हत्यारे की तलाश जारी है। वहीं मेघालय पुलिस ने दावा किया है कि राजा हत्याकांड में उसकी पत्नी सोनम खुद ही शामिल है। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की मेघालय के शिलांग में हुई हत्या की आरोपी सोनम रघुवंशी रविवार और सोमवार की दरमियानी रात उत्तरप्रदेश के गाजीपुर के नंदगंज थाना क्षेत्र स्थित एक ढाबे में बदहवास स्थिति में मिली है। बीती रात करीब ढाई बजे गाजीपुर पुलिस एक सूचना पर नंदगंज क्षेत्र स्थित एक ढाबे पर पहुंची जहां सोनम ने ढाबे वाले से मोबाइल फोन लेकर अपने भाई गोविंद को फोन किया था। गोविंद ने तत्काल गाजीपुर स्थित एक अपने परिचित को जानकारी दी। पुलिस को जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक ई राजा सहित काफी फोर्स ढाबे पर पहुंची, जहां सोनम रघुवंशी बदहवास/अचेत अवस्था में पाई गई। पुलिस के अनुसार सोनम फिलहाल बात करने की स्थिति में नहीं है। राजा और सोनम की शादी इंदौर में 11 मई को हुई थी। इसके बाद दोनों 20 मई को हनीमून मनाने शिलांग पहुंचे। वहां 23 मई को दोनों लापता हो गए। दोनों की लंबी तलाश के बाद दो जून को एक गहरी खाई से राजा का शव मिला था, वहीं सोनम लापता हो गई थी। इस बारे में सोनम के परिजन ने ये भी आरोप लगाया था कि उसे संभवत- अज्ञात लोग अगवा कर बांग्लादेश ले गए हैं।

भारत ने पिछले 11 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखा : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल का पहला वर्ष पूरा होने पर कहा कि उनकी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल में भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर सेवा के 11 वर्ष हैशटैग के साथ कई पोस्ट किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की हर योजना के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ ही जन-जन का कल्याण सुनिश्चित करना रहा है। उज्ज्वला हो या पीएम आवास, आयुष्मान भारत हो या भारतीय जन औषधि या फिर पीएम किसान सम्मान निधि, इन सभी योजनाओं ने देशवासियों की उम्मीदों को नए पंख दिए हैं। हमने इस दौरान पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया है। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान दिया गया। 140 करोड़

भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी से संचालित भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत से प्रेरित होकर एनडीए सरकार ने गति, पैमाने और संवेदनशीलता के साथ पथप्रदर्शक परिवर्तन किए हैं। आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, लोगों पर केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया है। आज भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है, लेकिन साथ ही, हम एक विकसित भारत के निर्माण के लिए आशा, विश्वास और नए संकल्प के साथ आगे देखते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक सरकार ने जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री ने नागरिकों को नमो ऐप के माध्यम से इस परिवर्तनकारी यात्रा का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह ऐप सरकार की उपलब्धियों को इंटरैक्टिव तरीके से प्रस्तुत करता है, जिसमें गेम, क्विज़, सर्वेक्षण और अन्य प्रारूप शामिल हैं जो जानकारी देने के साथ ही लोगों को प्रेरित करते हैं।

मोदी सरकार हर क्षेत्र में रच रही इतिहास: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 वर्षों से भारत के सबसे परिवर्तनकारी समय में से एक का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके प्रयासों के कारण आज देश अर्थव्यवस्था से लेकर टेक्नोलॉजी तक और समाज से लेकर समावेशी विकास तक हर क्षेत्र में नया इतिहास बना रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 11 साल पहले जहां देश हर तरह से पिछड़ रहा था, वहीं मोदी सरकार के दौरान भारत विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है और उनकी सरकार की नीतियों में आए दूरगामी बदलावों से समाज का कोई भी वर्ग अछूता नहीं रह गया है।

उन्होंने कहा, 'यह कालखंड गरीबों, युवाओं, किसानों और महिला सशक्तिकरण की दिशा में सेवा के माध्यम से सुशासन का प्रतीक साबित हुआ है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, यह सिर्फ मंत्र नहीं बल्कि नए भारत की ताकत है।'भारत के दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत तेजी

से विकास, व्यापक बदलाव और जन भागीदारी के साथ दुनिया का नेतृत्व करते हुए विकसित बनने की राह पर लगातार आगे बढ़ रहा है। आईएमएफ ने पिछले महीने अपनी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2025 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस दौरान देश की जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है और अगले दो वर्षों में 6 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करने वाला एकमात्र देश है। उच्च विकास दर के कारण भारत की जीडीपी 2028 में 5,584.476 बिलियन डॉलर हो जाएगी, और देश जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

ठाणे में चलती लोकल ट्रेन से गिरकर 6 यात्रियों की मौत, सात घायल

एजेंसी

मुंबई। ठाणे जिले में कोपर और दिवा स्टेशनों के बीच सोमवार को सुबह लोकल ट्रेन से गिरकर छह यात्रियों की मौत हो गई है। इस हादसे में सात यात्री घायल हो गए हैं, इन सभी को कलवा स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी नीला स्वप्रिल ने बताया कि आज सुबह करीब साढ़े बजे आमने-सामने से विपरीत दिशा में जा रही दो लोकल ट्रेनों के फुटबोर्ड पर बैठे यात्री आपस में टकरा कर रेलवे पटरी के पास गिर गए।

इस घटना में 8 लोगों को कोपर और दिवा के बीच रेलवे पटरी से उठाकर अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि गार्ड ने पांच घायल यात्रियों को जीआरपी को सौंपा। इन सभी का इलाज कलवा सरकारी अस्पताल में हो रहा है, लेकिन मृतकों की जानकारी अस्पताल सूत्रों ने अभी तक नहीं दी है। मुंब्रा के स्टेशन मास्टर ने पत्रकारों को बताया कि रेलवे पटरी में गिरने तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि पांच लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार इस

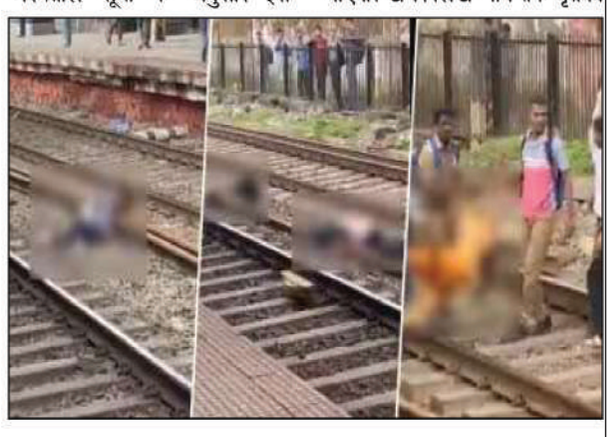

घटना में खबर लिखे जाने तक छह लोगों की मौत हो गई है और सात लोगों का इलाज जारी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना की छानबीन रेलवे प्रशासन की ओर से की जाएगी। खबर लिखे जाने तक मृतकों में से जीआरपी पुलिस कर्मी विकी बाबासाहेब मुख्यादल की पहचान की गई है, अन्य पांच मृतकों की पहचान का प्रयास जारी है।

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या छह हजार पार, पिछले 24 घंटों में छह कि मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में तेजी से फैल रहे कोरोना ने चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय अलर्ट पर है। मंत्रालय के

मुताबिक, आज 8:00 बजे तक कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 6133 हो गई है । पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 379 नए मरीज आए और छह मरीजों की मौत हुई है। मृतकों में दो कर्नाटक, तीन केरल और एक तमिलनाडु का व्यक्ति है । केरल में सक्रिय मामलों की संख्या सबसे अधिक 1950, फिर गुजरात जहां 822 से अधिक मामले रिपोर्ट किए गए हैं। इसके बाद दिल्ली, जहां 686 सक्रिय मामले रिपोर्ट किए गए है। इसका कारण कोराना के वेरिएंट एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 को बताया जा रहा है। जेएन.1 अभी भी प्रमुख स्ट्रेन बना हुआ है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से शांत रहने और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर स्वच्छता बनाए रखने की चेतावनी दी है। जिन वयस्कों को पहले से ही कोई बीमारी है उनमें वायरस का खतरा अधिक हो सकता है।

मोदी सरकार के 11 साल पर बोले नड्डा : पहले की सरकार भ्रष्टाचार-नकारात्मकता से भरी थी,अब ये भावना बदल गई

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने के अवसर पर 'विकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की 11 साल' पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में हम 11 साल पूरे कर रहे हैं...11 साल में जो पीएम मोदी के नेतृत्व जो काम हुआ है वह स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने वाला काम हुआ है... देश में 11 साल पहले तुष्टिकरण व समाज को खंडित करके अपनी कुर्सी को सुरक्षित रखना राजनी?तिक संस्कृति का तरीका बन गया था। लेकिन 2014 के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली जिम्मेदार व जवाबदेह सरकार आई

है, जिसने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति शुरू की। हम जो काम कर रहे हैं, उसे हम जनता के सामने रखें। पिछले 11 साल में मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारत की राजनीति की संस्कृति को बदला है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, '..मोदी सरकार ने ट्रिपल तलाक को खत्म करने का साहसिक फैसला लिया। एक और साहसिक फैसला नया वक्फ अधिनियम बनाना था। इस पर चर्चा चल रही है। कुछ अन्य साहसिक फैसलों में नागरिकता संशोधन अधिनियम, नोटबंदी, 33त्न महिला आरक्षण शामिल हैं...हम सब जानते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था 10वें स्थान से सीधे 5 वें स्थान पर आ गई और अब तो ये चौथे स्थान पर आ गई है।जेपी नड्डा ने कहा, ' 2014 से पहले पिछली सरकार भ्रष्टाचार और नकारात्मकता से भरी हुई थी...लेकिन 2014 के बाद हमने सकरात्मकता देखी। आज भारत का आम नागरिक कहता है कि 'मोदी है तो मुमकिन है'...पिछले 11 वर्षों में हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़े हैं। देश मान चुका था कि ये संभव नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया...लोकसभा में टर्नआउट 58.46 प्रतिशत रहा, जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में टर्नआउट 63 प्रतिशत रहा। ये बदलाव, मोदी सरकार की साहसिक निर्णय की वजह से आया है।

मणिपुर में विरोध प्रदर्शन में कार्यालय जलाया गया, 15 घायल

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में अरम्बाई टेंगोल नेता की गिरफ्तारी को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। जिनमे दो पत्रकारों सहित 15 लोग घायल हो गए। सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया है और पांच जिलों इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, थौबल और बिष्णुपुर में अनिश्चितकालीन कर्फ़्यू लगा दिया है।पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि एटी नेता कानन को सीबीआई ने किसी अन्य मामले में गिरफ्तार किया था, न कि एटी के नेता के रूप में। पुलिस ने कहा कि कानन के साथ गिरफ्तार किए गए चार अन्य लोगों को भी रिहा कर दिया गया और केवल कानन को राज्य से बाहर ले जाया गया।

पुलिस ने कहा कि वह स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है, हालांकि कुछ अज्ञात लोगों ने रविवार रात इंफाल पूर्व जिले के याइरीपोक तुलिहाल में उप-विभागीय कलेक्टर (एसडीसी) कार्यालय को जलाने की कोशिश की। अरम्बाई टेंगोल ने अपने नेता की गिरफ्तारी के विरोध में दस दिवसीय बंद की घोषणा के बीच सोमवार को बड़ी

संख्या में लोग कर्फ़्यू का उल्लंघन करते हुए अपना विरोध दर्ज कराने के लिए घरों से बाहर निकले और सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। शुरू हुए बंद के कारण सभी शैक्षणिक संस्थान बंद हो गए हैं, बाजार बंद हो गए हैं और परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। एडिटर्स गिल्ड मणिपुर (ईजीएम) और ऑल मणिपुर वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन (एएमडब्ल्यूजेयू) ने भी इंफाल के क्राकेथेल में सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन को कवर करने के लिए ड्यूटी पर तैनात सीआरपीएफ कर्मियों द्वारा इम्फैक्ट टीवी न्यूज के दो पत्रकारों पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज की जाएगी क्योंकि पत्रकारों पर हमला तब भी किया गया जब उन्होंने अपनी पहचान बताई थी। सोमवार को सभी अखबारों के संपादकीय खाली थे और उन पर एक ही नारा था एएमडब्ल्यूजेयू और ईजीएम पत्रकारों पर बार-बार किए गए हमले और धमकी की निंदा करते हैं।

अग्रवाल समाज ने दिल्ली के विकास को नई दिशा देने का कार्य किया : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शालीमार बाग में अग्रवाल सभा की नव निर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शालीमार बाग का अग्रवाल समाज न सिर्फ अपने क्षेत्र में बल्कि पूरे दिल्ली के अग्रवाल समाज को साथ जोड़ते हुए दिल्ली के विकास के पथ को नई दिशा और समाज सेवा को प्रेरणा देने का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अग्रवाल समाज सिर्फ एक समुदाय नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की सशक्त परंपरा है। हर बार जब देश या समाज को जरूरत पड़ी, अग्रवाल समाज सबसे आगे खड़ा मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रवाल समाज चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो, व्यापार में नैतिकता की मिसाल देना हो या फिर जरूरतमंदों की मदद के आगे है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि मैं ऐसे समाज का हिस्सा हूं, जो सिर्फ अपने नहीं, पूरे देश के भविष्य को संवारने का संकल्प लेकर चलता है।

डकैती व अपहरण के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच उत्तरी रेंज-2 ने 2014 में हुई डकैती व अपहरण के मामले में पिछले 11 वर्षों से फरार चल रहे आरोपित राकेश को उप्र के लोनी स्थित चमन विहार से गिरफ्तार किया है। यह आरोपित वर्ष 2015 में न्यायालय द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक एएसआई अशोक कुमार को सूचना मिली कि राकेश दिल्ली-उप्र बॉर्डर के पास रह रहा है। इसके बाद इंस्पेक्टर अजय सिंह की देखरेख में एसआई प्रदीप गोदारा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने लगातार निगरानी और तकनीकी साधनों की मदद से आरोपित का लोकेशन ट्रेस किया और चमन विहार लोनी से उसे गिरफ्तार किया।क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार 26 दिसंबर 2014 की रात करीब 9:30 बजे एक टाटा 407 वाहन जो 50 कार्टन पान बहार लेकर जा रहा था को झंडेवाला इलाके में कुछ लोगों ने रोक लिया। वाहन चालक को अगवा कर उसका मोबाइल और नकदी लूट ली गई। करीब दो घंटे बाद चालक को धौला कुआं के पास फेंक दिया गया। जबकि आरोपित पान बहार की खेप और वाहन लेकर फरार हो गए। इस संबंध में थाना पहाड़गंज में मुकदमा दर्ज हुआ।

पहाड़गंज के होटल में युवती की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिले के पहाड़गंज स्थित अरकाशन रोड पर एक होटल में रह रही युवती सारिका (29) की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह 9:47 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को एक कॉल प्राप्त हुई, जिसमें होटल स्टाफ ने सूचना दी कि एक जोड़ा होटल के कमरे में रातभर ठहरा था। सुबह जब सफाईकर्मी पहुंचे तो पाया कि महिला मृत अवस्था में बाथरूम में पड़ी थी। जबकि उसका पुरुष साथी गायब था। जांच में सामने आया कि दोनों ने 07 जून को शाम 4:15 बजे होटल में चेक-इन किया था। होटल स्टाफ के अनुसार, शाम करीब 6 बजे दोनों ने पिज्जा और लस्सी ऑर्डर किया था। अगली सुबह पुरुष अकेले होटल से बाहर निकलता हुआ सीसीटीवी फुटेज में नजर आया। घटना की जानकारी मिलते ही क्राइम टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजा गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपित सचिन (31) को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह सारिका के साथ रिश्ते में था। लेकिन उसे उस पर किसी और के साथ संबंध होने का शक था। इसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ, जिसके बाद आरोपित ने पहले पीटा और फिर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

दिल्ली में नौ वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म कर की गई हत्या

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के दयालपुर इलाके में 9 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म कर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक बच्ची का शव पड़ोस में एक बंद मकान में मौजूद सूटकेस से बरामद किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। साथ ही दुष्कर्म और हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपित की तलाश की जा रही है और उसकी तलाश के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि करीब 8:41 बजे दयालपुर पुलिस स्टेशन को नेहरू विहार में 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर हत्या किए जाने की सूचना मिली। इसके बाद दयालपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची जहां पता चला कि बच्ची को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया है। वहां पहुंचने पर पता चला कि डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया है। डीसीपी के मुताबिक, डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच में पीड़िता के चेहरे पर चोट के निशान देखे और यौन उत्पीड़न की आशंका जताई। क्राइम और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीमें घटनास्थल का निरीक्षण कर रही हैं। डीसीपी के अनुसार आरोपित को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए कई टीमें सुराग जुटा रही हैं। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी खंगाला जा रहा है।

एनसीआर में भीषण गर्मी का कहर जारी, अगले दो दिनों तक हीट वेव का अलर्ट जारी

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के निवासियों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है। भारतीय मौसम विभाग ने आगामी दो दिनों यानी 9 और 10 जून के लिए 'हीट वेव' और 'धूल भरी तेज हवाओं' का यलो अलर्ट जारी किया है। दोनों ही दिन अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है, जबकि न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा। मौसम विभाग ने साफ शब्दों में चेताया है कि दिन के समय तेज धूप और गर्म हवा का असर स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों पर। ऐसे में लोगों को सलाह दी गई है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर न निकलें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। 11 जून से मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिलेगा, जब

आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और तापमान में मामूली गिरावट के साथ 43 डिग्री तक रहने की संभावना है। हालांकि उमस बढ़ने से गर्मी की तीव्रता कम नहीं होगी। मौसम विभाग के मुताबिक 12 जून को मौसम में स्पष्ट बदलाव देखा जा सकेगा। इस दिन 'गर्म और उमस भरा' मौसम तो रहेगा, लेकिन साथ ही 'गर्जन के साथ बारिश' की भी संभावना जताई गई है। अगले दो दिनों यानी 13 और 14 जून को भी 'आंधी-तूफान और बिजली गिरने' की चेतावनी के साथ बारिश या गरज-चमक के आसार हैं। 13 जून को तापमान गिरकर 39 डिग्री और 14 जून को 38 डिग्री तक रहने की संभावना है, जिससे लोगों को कुछ हद तक राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 15 जून तक हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं और तापमान 38 डिग्री के आसपास बना रहेगा।

इस दौरान 'नो वॉर्निंग' दर्शाई गई है, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि भीषण गर्मी के दौर से फिलहाल अस्थायी राहत मिल सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मी की लहर (हीट वेव) शरीर पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। इससे लू लगने, थकान, सिर दर्द और यहां तक कि हीट स्ट्रोक की भी आशंका रहती है। ऐसे में नागरिकों को चेतावनी दी गई है कि खुले आसमान के नीचे लंबे समय तक रहने से बचें और छायादार स्थानों में ठहरें।

नशा तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ , 7.9 किलो अफीम बरामद, चार तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल ने अफीम की अंतरराज्यीय तस्करी में लिप्त एक संगठित नशा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 7.9 किलोग्राम अफीम बरामद की गई है। जिसकी बाजार कीमत लगभग 50 लाख आंकी गई है। पुलिस ने उक्त मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर एक बाइक भी जब्त की है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक आदतन नशा तस्कर मुन्ना लाल आनंद विहार बस अड्डे के पास अफीम की बड़ी खेप देने आ रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद इंस्पेक्टर मनीत मलिक के नेतृत्व में टीम गठित की गई। देर रात 12:10 बजे आरोपित मुन्ना लाल को ईडीएम मॉल के पास से पकड़ा गया और उसके पास से 5.324 किलो अफीम बरामद हुई। मुन्ना लाल से पूछताछ में पता चला कि वह झारखंड के लातेहार जिले से अफीम लाकर उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में सप्लाई करता था। उसकी निशानदेही पर दो सप्लायर

देर रात 12:10 बजे आरोपित मुन्ना लाल को ईडीएम मॉल के पास से पकड़ा गया और उसके पास से 5.324 किलो अफीम बरामद हुई।

फरीद उद्दीन और अब्दुल राशिद आलम को बरेली के एक होटल से गिरफ्तार किया गया और 1.515 किलो अफीम बरामद हुई। इसके पुलिस टीम ने मेरठ निवासी करमजीत सिंह सैखों को 966 ग्राम अफीम के साथ दबोचा। उसके पास से अफीम की तस्करी में उपयोग की गई बाइक बरामद की गई।

नालों से गाद निकालने की तारीख बार-बार बढ़ाने पर कांग्रेस ने सवाल उठाया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार द्वारा नालों से गाद निकालने की तारीख को बार-बार आगे बढ़ाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली सरकार ने नालों से गाद निकालने की 15 मई की तारीख को आगे बढ़ाकर 31 मई कर दी। इसके बाद आज दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा 45 प्रतिशत काम पूरा होने की घोषणा करके इसकी तारीख 15 जून और अब 25 तक काम पूरा करने की घोषणा करके सरकार अपनी नाकामी छिपा रही है। जबकि 28 जून को दिल्ली में मानसून पहुंच जाएगा। यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों की भांति इस वर्ष दिल्ली सरकार भी गाद निकालने में संवेदनशील दिखाई नहीं दे रही है।

देवेंद्र यादव ने एक विज्ञप्ति जारी करती हुए कहा कि भाजपा ने दिल्ली की सत्ता संभालते ही नालों से गाद निकालने और यमुना सफाई पर काम करने का दावा किया था परंतु

पहले दिल्ली सरकार ने नालों से गाद निकालने की 15 मई की तारीख को आगे बढ़ाकर 31 मई कर दी।

मानसून से 20 दिन पहले सरकार ने गाद निकालने की तारीख को आगे बढ़ाकर अपनी नाकामी उजागर कर दी है। पीडब्ल्यूडी 2146 किमी लंबे जल निकासी के नेटवर्क का अभी तक 45 प्रतिशत काम करने का दावा कर रही है, जबकि सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने 68 प्रतिशत और दिल्ली नगर निगम 70 प्रतिशत नालियों से गाद निकालने का काम पूरा होने का दावा कर रहा है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि ड्रेनेज सिस्टम की सफाई और स्टॉर्मवाटर नालियों से गाद निकालने की हर वर्ष सरकारी प्रक्रिया होती है, जिसको जनवरी से शुरु होकर मई तक पूरा करने लक्ष्य सरकार बनाती है। बड़ी संख्या में मशीनों को गाद निकालने के लिए तैनात किया जाता है और उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और संबधित मंत्री के सर्वेक्षण के बावजूद भी गाद निकालने का काम पूरा होने की तारीख हर बार आगे क्यों बढ़ाई जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी की कार्यशैली में कोई खास अंतर नही है। इसके कारण दिल्ली की समस्याओं प्रदूषण, यमुना सफाई, सड़क प्रबंधन, परिवहन व्यवस्था अथवा डिसिल्टिंग जैसे किसी भी काम को सरकार के मंत्री और उनके नियंत्रण में कार्यरत अधिकारी 100 प्रतिशत पूरा करने में विफल साबित हुए है।

केजरीवाल सरकार ने 11 साल में नहीं चलाया एक भी सामाजिक चेतना अभियान - वीरेंद्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीरता न दिखाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने करीब 11 साल पहले निर्भया मामले पर राजनीति की थी और आज तक मासूम बच्चियों के साथ होने वाले अपराधों पर केवल राजनीतिक बयानबाजी तक ही सीमित रही है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि ऐसे घिनौने अपराध निस्संदेह निंदनीय हैं और समाज में इनके लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन इन घटनाओं को सिर्फ कानून व्यवस्था की नाकामी बताना एक राजनीतिक चालाकी है।

सचदेवा के अनुसार, इस तरह के अपराध करने वाले लोग विकृत मानसिकता और आपराधिक प्रवृत्ति के होते हैं, जिन्हें केवल सख्त कानून ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता के जरिए भी नियंत्रित किया जा सकता है। नेहरू विहार में एक नाबालिग बच्ची के साथ हुए हालिया वीभत्स अपराध का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है और जल्द ही गिरफ्तारी भी हो जाएगी। हालांकि, ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केवल कानूनी कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं है, समाज में जन जागरण और अपराधियों के मन में भय पैदा करने के लिए एक व्यापक सामाजिक अभियान की जरूरत है। सचदेवा ने सवाल किया कि बीते 11 वर्षों में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मंत्री आतिशी मार्लेना ने महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर कोई भी स्थायी या व्यापक सामाजिक चेतना अभियान क्यों नहीं चलाया? उन्होंने कहा कि चाहे दिल्ली महिला आयोग हो या बाल आयोग, इनके प्रमुख अक्सर राष्ट्रीय मुद्दों पर

बयान देते हैं, लेकिन महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों की मानसिकता को बदलने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए।भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि नेहरू विहार कांड में आरोपी भी अल्पसंख्यक समाज से है और पीड़िता का पड़ोसी था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऐसे अपराध सामाजिक रूप से कितने गहरे हैं।

राजा रघुवंशी हत्या मामला : पत्नी सोनम ने किया सरेंडर,मेघालय पुलिस बोली -सोनम ने दबाव में आत्मसमर्पण किया

एजेंसी

नई दिल्ली। शिलॉन्ग से कथित तौर पर लापता हुई इंदौर की सोनम रघुवंशी ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। मेघालय के सीएम कोनरॉड संगमा ने एक्स पोस्ट पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक महिला ने आत्मसमर्पण कर दिया है। उसके साथ तीन हमलावर भी पकड़े गए हैं, जबकि एक की तलाश जारी है। मेघालय पुलिस ने सोमवार को बताया कि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में गिरफ्तार सोनम रघुवंशी ने दबाव में आकर आत्मसमर्पण कर दिया है। उसके तीन अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक अभी भी फरार है। मेघालय में हनीमून के दौरान इंदौर निवासी राजा की रहस्यमयी मौत के मामले में सोमवार को एक चौंकाने वाला मोड़ आया, जब पुलिस ने कथित तौर पर भाड़े के हत्यारों द्वारा राजा की हत्या की साजिश रचने के आरोप में उसकी

पत्नी सोनम को गिरफ्तार कर लिया।

मेघालय पुलिस ने बताया कि सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से पकड़ा गया। उसने बढ़ते दबाव के चलते रविवार देर रात नंदगंज पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया।वहीं, मेघालय के पुलिस महानिरीक्षक डाल्टन पी. मारक ने समाचार एजेंसी फोन पर बताया, सोनम ने कल रात दबाव में आकर आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या चार हो गई। एक आरोपी अभी भी फरार है। सोनम को अदालती कार्यवाही के लिए मेघालय वापस लाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के एडीजी (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश के अनुसार सोनम को वाराणसी-गाजीपुर मुख्य मार्ग पर काशी ढाबा पर पाया गया। उसे प्राथमिक उपचार के लिए सदर अस्पताल भेजा गया और फिलहाल उसे वन स्टॉप सेंटर में रखा गया है। मेघालय के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) इदाशीशा नोंग्रांग ने कहा कि जांच जारी है और आगे की जानकारी के लिए गिरफ्तार व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने भी मामले में सफलता की बात स्वीकार की।उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, राजा हत्या मामले में 7 दिनों के भीतर मेघालय पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मध्य प्रदेश के 3 हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है, महिला ने आत्मसमर्पण कर दिया है और 1 अन्य हमलावर को पकड़ने के लिए ऑपरेशन अभी भी जारी है। राजा और सोनम अपने हनीमून के लिए मेघालय आए थे।

डकैती व अपहरण के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच उत्तरी रेंज-2 ने 2014 में हुई डकैती व अपहरण के मामले में पिछले 11 वर्षों से फरार चल रहे आरोपित राकेश को उप्र के लोनी स्थित चमन विहार से गिरफ्तार किया है। यह आरोपित वर्ष 2015 में न्यायालय द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक एएसआई अशोक कुमार को सूचना मिली कि राकेश दिल्ली-उप्र बॉर्डर के पास रह रहा है। इसके बाद इंस्पेक्टर अजय सिंह की देखरेख में एसआई प्रदीप गोदारा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने लगातार निगरानी और तकनीकी साधनों की मदद से आरोपित का लोकेशन ट्रेस किया और चमन विहार लोनी से उसे गिरफ्तार किया।क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार 26 दिसंबर 2014 की रात करीब 9:30 बजे एक टाटा 407 वाहन जो 50 कार्टन पान बहार लेकर जा रहा था को झंडेवाला इलाके में कुछ लोगों ने रोक लिया। वाहन चालक को अगवा कर उसका

मोबाइल और नकदी लूट ली गई। करीब दो घंटे बाद चालक को धौला कुआं के पास फेंक दिया गया। जबकि आरोपित पान बहार की खेप और वाहन लेकर फरार हो गए। इस संबंध में थाना पहाड़गंज में मुकदमा दर्ज हुआ।

चुनाव से पहले ही अपनी हार को स्वीकार कर रही है कांग्रेस पार्टी : नलिन कोहली

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'मैच फिक्सिंग' वाले बयान का भाजपा नेता नलिन कोहली ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अक्सर चुनाव आने से पहले कांग्रेस पार्टी और कुछ विपक्षी नेता चुनाव प्रक्रिया, चुनाव आयोग, इलेक्ट्रिक मशीन पर सवाल उठाने लगते हैं। यही नेता चुनाव जीतने के बाद कभी भी इस तरह के प्रश्?न नहीं करते। तेलंगाना में कांग्रेस जीत गई, तो इनको कही कोई कोई दिक्कत नहीं हुई। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि शायद वह इसलिए सवाल उठा रहे हैं। उनको लगता है कि जनता उनके साथ नहीं है। वह अभी से जनता को एक संदेश देना चाहते हैं कि चुनाव में हार मिली तो हमने पहले ही इसके बारे में बता दिया था। यह उनकी ओर से हार स्वीकार करने की बात है। नलिन कोहली ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि चुनाव से पहले यदि वह जनता के बीच में समय लगाते और अपनी मेहनत और काम को दिखाते तो शायद चुनाव में जनता उनको वोट देती। भाजपा जनता के बीच लगातार जाती है और विकास कार्यों को गिनाती है, जिससे जनता का लगाव भाजपा से बना हुआ है।

बता दें कि हाल ही में राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने लेख का लिंक शेयर किया, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों को मैच फिक्सिंग करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के आने वाले चुनाव में भी ऐसा ही हो सकता है। वहीं, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे को कांग्रेस पार्टी की ओर से समय और पैसे की बर्बादी बताने पर उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस 'ऑपरेशन सिंदूर' के पक्ष में रहने की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ वह इस पर सवाल भी उठाती है। ऐसे प्रश्न उठाएंगे जो पाकिस्तान में गूंजेगे और कांग्रेस की प्रतिक्रिया को भारत के खिलाफ अपनी बात रखने के लिए उसका इस्तेमाल करें। यह तब हाल है जब विदेश में अलग-अलग देश में हमारे सांसद गए जिसमें कांग्रेस के भी सांसद थे। अब कांग्रेस अपने सांसदों की भी आलोचना कर रही है, उन पर प्रश्न उठा रही है। नलिन कोहली ने आगे कहा, 'एक सांसद ने कहा, 'क्या देश के हित में काम करना इतना कठिन है।' अब सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे को कहते हैं कि पैसे फिजूल में खर्च हुए हैं। भारत बात को दुनिया के सामने रखने के लिए देशहित में अगर सर्वदलीय सांसद विदेशों में जाते हैं, लोगों को आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख के बारे में बताते हैं, तो यह देश के पैसे को व्यर्थ करना कैसे हुआ है, इस बात को कांग्रेस पार्टी ही समझा सकती है।'

आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय बनेंगे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला

एजेंसी

नई दिल्ली। 'नमस्ते, मैं ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला हूं...' ये गर्व भरे शब्द भारतीय वायुसेना के जांबाज टेस्ट पायलट शुभांशु शुक्ला के हैं जिन्होंने अंतरिक्ष में अपनी ऐतिहासिक उड़ान से पहले जारी एक वीडियो में यह बात कही है। 15 वर्षों तक एक कॉम्बैट पायलट रहे शुक्ला अब अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय नागरिक बनने जा रहे हैं। यह ऐतिहासिक मिशन एक्सिओम स्पेस के 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत लॉन्च किया जाएगा, जिसे 'मिशन आकाश गंगा' भी कहा जा रहा है। यह निजी अंतरिक्ष उड़ान 10 जून को नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन सी213 यान के जरिए प्रक्षेपित होगी। लगभग 28 घंटे की यात्रा के बाद, यान 11 जून की रात करीब 10 बजे पर आईएसएस से जुड़ेगा। लखनऊ में जन्मे 39 वर्षीय शुभांशु शुक्ला को जून 2006 में भारतीय वायुसेना में कमीशन मिला था। उन्होंने अब तक 2,000 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव हासिल किया है और सुखोई-30 एमके 1, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डॉर्नियर और एएन-32 जैसे कई विमानों को उड़ाया और परीक्षण किया है। साल 2020 में उन्हें इसरो के गगनयान मिशन के लिए चुना गया था। यह भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान परियोजना है। चार साल बाद, उनकी अंतरिक्ष यात्रा ने एक नया मोड़ लिया है। शुक्ला ने कहा, 'भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा 1984 में अंतरिक्ष गए थे। मैं उनके बारे में स्कूल की किताबों में पढ़ता था और उनके अनुभवों को सुनकर बहुत प्रभावित होता था। अपनी इस यात्रा को लेकर उन्होंने कहा, शुरुआत में मेरा सपना सिर्फ उड़ान भरना था। लेकिन अंतरिक्ष यात्री बनने की राह बाद में खुली। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे जीवन भर उड़ान भरने का अवसर मिला और फिर मुझे अंतरिक्ष यात्री बनने का आवेदन करने का मौका मिला। और आज मैं यहां हूं।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने योग दिवस और 'एक पेड़ मां के नाम 2.0 कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने 21 जून को आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और एक पेड़ मां के नाम-2.0 कार्यक्रमों की तैयारियों की दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। शिक्षा मंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार पहली बार भारत सरकार के साथ मिलकर आधिकारिक तौर पर दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कर रही है। यह 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। इसलिए यह योग दिवस दिल्ली के विभिन्न 11 प्रमुख स्टेडियम/ खेल परिसरों (त्यागराज स्टेडियम, ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, झिलमिल कॉलोनी, बवाना, पहलादपुर, भारत नगर, यमुना बैंक, नजफगढ़ स्टेडियम, द्वारका सेक्टर-6, अशोक नगर हॉकी स्टेडियम) में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हर योग परिसर पर किसी एक मंत्री को जिम्मेदारी भी दी जाएगी। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव दिल्ली सरकार के अलावा शिक्षा निदेशालय, राजस्व विभाग, ऊर्जा विभाग, पर्यावरण, वन, दिल्ली नगर निगम और फायर विभाग के आला अधिकारियों ने भाग लिया। सूद ने यह भी कहा कि इस योग दिवस का मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और समुदाय के बीच योग के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। इस आयोजन में लगभग 20, 000 प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है। इनमें दिल्ली सरकार के विद्यालयों के छात्र, शिक्षक, योग प्रशिक्षक, एनएसएस/एनसीसी कैडेट्स, सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स आदि शामिल होंगे। मुख्य आयोजन स्थल के रूप में छत्रसाल स्टेडियम का चयन किया गया है जहां लगभग 10,000 प्रतिभागी योगाभ्यास में भाग लेंगे। इसमें भारतीय योग संस्थान के 5,000 स्वयंसेवक होंगे। इसके अतिरिक्त अन्य 10 स्थानों में प्रत्येक परिसर में 1,000 प्रतिभागी शामिल होंगे। मंत्री ने बैठक में उपस्थित सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह स्कूल, कॉलेज समाज के सभी वर्ग के लोगों, योग प्रशिक्षक, सभी सरकारी कार्यलयों के प्रमुखों को योग दिवस के लिए पत्र लिखकर आमंत्रित करें और उनको योग के लिए प्रोत्साहित भी करें। सूद ने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण द्धस्त्रह्मस्त्रद्द्य.ठ्ठद्ब.द्बठ्ठ वेबसाइट पर किया जाएगा।

'एक पेड़ मां के नाम-2.0 अभियान के बारे में मंत्री ने बताया की यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान को एक साथ सांझा करने का प्रयास है। 'एक पेड़ मां के नाम-2.0 अभियान ने अपने पहले चरण में सफलता की नई ऊंचाइयों को छूआ है। इस अभियान की शुरुआत 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुद्ध जयंती पार्क दिल्ली में पीपल का पौधा लगाकर की गई। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत 9 जून सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शालीमार बाग स्थित राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय में पौधारोपण करेंगी।

नालों से गाद निकालने की तारीख बार-बार बढ़ाने पर कांग्रेस ने सवाल उठाया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार द्वारा नालों से गाद निकालने की तारीख को बार-बार आगे बढ़ाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली सरकार ने नालों से गाद निकालने की 15 मई की तारीख को आगे बढ़ाकर 31 मई कर दी। इसके बाद आज दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा 45 प्रतिशत काम पूरा होने की घोषणा करके इसकी तारीख 15 जून और अब 25 तक काम पूरा करने की घोषणा करके सरकार अपनी नाकामी छिपा रही है। जबकि 28 जून को दिल्ली में मानसून पहुंच जाएगा। यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों की भांति इस वर्ष दिल्ली सरकार भी गाद निकालने में संवेदनशील दिखाई नहीं दे रही है। देवेंद्र यादव ने एक विज्ञप्ति जारी करती हुए कहा कि भाजपा ने दिल्ली की सत्ता संभालते ही नालों से गाद निकालने और यमुना सफाई पर काम करने का दावा किया था परंतु मानसून से 20 दिन पहले सरकार ने गाद निकालने की तारीख को आगे बढ़ाकर अपनी नाकामी उजागर कर दी है। पीडब्ल्यूडी 2146 किमी लंबे जल निकासी के नेटवर्क का अभी तक 45 प्रतिशत काम करने का दावा कर रही है, जबकि सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने 68 प्रतिशत और दिल्ली नगर निगम 70 प्रतिशत नालियों से गाद निकालने का काम पूरा होने का दावा कर रहा है। देवेंद्र यादव ने कहा कि ड्रेनेज सिस्टम की सफाई और स्टॉर्मवाटर नालियों से गाद निकालने की हर वर्ष सरकारी प्रक्रिया होती है, जिसको जनवरी से शुरु होकर मई तक पूरा करने लक्ष्य सरकार बनाती है। बड़ी संख्या में मशीनों को गाद निकालने के लिए तैनात किया जाता है और उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और संबधित मंत्री के सर्वेक्षण के बावजूद भी गाद निकालने का काम पूरा होने की तारीख हर बार आगे क्यों बढ़ाई जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी की कार्यशैली में कोई खास अंतर नही है। इसके कारण दिल्ली की समस्याओं प्रदूषण, यमुना सफाई, सड़क प्रबंधन, परिवहन व्यवस्था अथवा डिसिल्टिंग जैसे किसी भी काम को सरकार के मंत्री और उनके नियंत्रण में कार्यरत अधिकारी 100 प्रतिशत पूरा करने में विफल साबित हुए है।

संपादक की कलम से

रामसभा की पवित्रता !

अयोध्या में राम मंदिर के प्रथम तल पर भव्य राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। यह धार्मिक समारोह गुरुवार को आयोजित किया गया था। इसके साथ ही राम जन्मभूमि क्षेत्र में आठ नवनिर्मित मंदिरों में भी मूर्तियां स्थापित की गईं। २२ जनवरी २०२४ को राम मंदिर में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा हुई। यह प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री मोदी के हाथों हुई। इसके लिए भाजपा ने दुनियाभर से बड़े-बड़े मेहमानों को आमंत्रित किया था। राम मंदिर के उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा को राष्ट्रीय समारोह के रूप में आयोजित करने पर कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने इसे निजी राजनीतिक समारोह में बदल दिया और इसकी पवित्रता नष्ट कर दी। २२ जनवरी २०२४ के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद सबसे बड़े राम दरबार का बड़ा आयोजन किया गया। इस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी शामिल नहीं हुए। श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मोदी दोबारा अयोध्या फिरके ही नहीं हैं। क्योंकि जिस श्रीराम के नाम पर मोदी ने लोकसभा चुनाव का प्रचार किया था, उसमें भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। श्रीराम ने मोदी को उत्तर प्रदेश में रोक दिया। मोदी ने नारा दिया था ह्यअबकी बार चार सौ पारह्ल, लेकिन मोदी लोकसभा में बहुमत खो बैठे। भाजपा २४० पर अटक गई। भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद मोदी ने जैसे-तैसे बैसाखियों पर सरकार बनाई। वह दूसरों की मेहरबानियों पर चल रहे हैं इसीलिए मोदी श्रीराम की उंगली पकड़कर अयोध्या ले आए (ऐसा उनके भक्त कहते हैं) उन श्रीराम ने खुद अयोध्या की पवित्र भूमि में

मोदी की उंगली छोड़ दी

और भाजपा की नाव सरयू नदी में हिचकोले खाने लगी। श्रीराम मंदिर का उद्घाटन समारोह हिंदुत्व और प्रचार का मुद्दा नहीं बन सका इसलिए इस बार राम दरबार का उत्सव संक्षिप्त और साफ-सुथरा मनाया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम दरबार का विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की। इस समय वैदिक मंत्रों का मंगलमय घोष हर जगह चल रहा था। मंत्रोच्चार, शंखनाद, मंत्रपाठ और होम-हवन के कारण अयोध्या क्षेत्र का वातावरण ऐसा हो गया, मानो श्रीराम अयोध्या में निवास कर रहे हों। राम दरबार को बड़ी भव्यता के साथ सजाया गया है। राम दरबार के लिए हीरे, सोने और चांदी के आभूषण सूरत के रामभक्त व्यवसायी मुकेश पटेल ने दान किए। इन आभूषणों में क्या है? १,००० कैरेट का हीरा, ३० किलो चांदी, ३०० ग्राम सोना और ३०० कैरेट माणिक से बने ११ मुकुट हैं। इसके अलावा प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के लिए हार, कर्णफूल, माथे पर सुवर्ण तिलक, धनुष और बाण हैं। इससे यह भव्य राम दरबार सुंदर, जगमगाता और भव्य है। इतना कुछ होने के बावजूद राम मंदिर का निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है। श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन उन पर प्रतिबंध है। दीपोत्सव के बाद मंदिर पूरी तरह दर्शन के लिए खुल जाएगा। राम दरबार भव्य आकर्षण होगा। राम दरबार में भगवान राम धनुषसहित सिंहासन पर विराजमान हैं। माता सीता भी उनके साथ हैं। बाईं ओर हनुमान और दाईं ओर भरत वीरासन मुद्रा में बैठे हैं। पीछे श्री लक्ष्मण और शत्रुघ्न शान से खड़े हैं। मंदिर के

गर्भगृह की दीवारों पर

भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्तियां उकेरी गई हैं। यह सब राम दरबार का हिस्सा है। राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा अभिजीत मुहूर्त पर की गई। राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा के लिए गंगा दशहरा के दिन १७ मिनट का विशेष अभिजीत मुहूर्त चुना गया था। इसका कारण यह है कि ऐसा माना जाता है कि भगवान श्रीराम का जन्म अभिजीत मुहूर्त में हुआ था इसलिए उसी मुहूर्त पर राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। यह है राम दरबार का धार्मिक और वैदिक विश्लेषण, लेकिन अयोध्या में जो राम दरबार सजा हुआ है उसे दरबार कहना हिंदू धर्म एवं संस्कृति के अनुसार योग्य है? ह्यदरबारह्ल मुगल राजाओं और बादशाहों का लगता था। प्रभु श्रीराम उसके पूर्व के अवतारी पुरुष हैं। मुगल दरबार पांच से छह सौ साल पहले का है इसलिए यह भगवान श्रीराम दरबार नहीं है। यह ह्यराम सभाह्ल, ह्यराम बैठकह्ल हो सकता है। श्रीराम का पूरा परिवार राम सभा में विराजमान है और वे अपने भक्तों को आशीर्वाद दे रहे हैं। दरबार में राजनीति, व्यापार और न्याय होता है। रामसभा की पवित्रता है। अयोध्या नगरी में इसे बचाकर रखना चाहिए। रामराज्य और रामसभा को आपस में जोड़ना चाहिए। देश में रामराज्य नहीं बचा है। श्री राम सत्यवादी थे, एकवचनी थे। आज के शासन में वह सत्य हर दिन पराजित हो रहा है। उसे देखकर श्री राम भी रामसभा में बेचैन हो रहे हैं। जो लोग असत्य के मार्ग पर चलकर भारत में सत्ता पर विराजमान हैं, ऐसे लोग रामसभा की महत्ता और पवित्रता को कभी नहीं समझ पाएंगे।

एआई फॉर ऑल

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के मोर्चे पर भारत में परिवर्तनकारी क्रांति देखने को मिल रही है। एआई कौशल सूचकांक अमेरिका और जर्मनी से भी आगे है। प्रौद्योगिकी केंद्रित समाज में एआई संचालित तकनीक के डिजाइन और विकास में उछाल सर्वव्यापी होता जा रहा है। वास्तव में दुनिया एआई के लिए कुछ भी कर ले लेकिन भारत के बिना एआई अधूरा है। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि भारत का एआई फॉर ऑल मंत्र ठोस कार्रवाई पर आधारित है और देश कृत्रिम मेधा (एआई) कौशल प्रसार और प्रतिभा संकेन्द्रण में अग्रणी है।

हमारा मंत्र एआई फॉर ऑलठोस कार्रवाई द्वारा समर्थित है। क्योंकि एआई कौशल पैठ के मामले में भारत दुनिया में नंबर एक है। इसलिए उन्होंने उद्योग जगत के लोगों से वैश्विक कौशल राजधानी के रूप में भारत की स्थिति का लाभ उठाने के लिए अनुसंधान एवं विकास को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। गौरतलब है कि भारत में एआई नैतिकता के सिद्धांतों के लिए संवैधानिक नैतिकता की आधारशिला के रूप में कल्पना की गई थी।

एआई को एक जिम्मेदार तरीके से तैनात करने के लिए हमारे संवैधानिक अधिकारों और लोकाचार को सर्वोपरि माना गया। वर्ष 2018 में नीति आयोग ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लिए राष्ट्रीय रणनीति जारी की। तकनीकी क्रांति का दूसरा पक्ष एआई के सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक प्रभावों पर बढ़ती आशंका है, विशेष रूप से इन उभरती प्रौद्योगिकियों के सह-अस्तित्व और आधुनिक लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के बारे में चिंताएं। भारत के पास असाधारण रूप से विशाल प्रतिभाओं तक पहुंच है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। आखिरकार एआई मूल रूप से मानव बुद्धिमत्ता द्वारा संचालित और निर्देशित होती है। यानी वास्तविक मानवीय बुद्धिमत्ता के बिना, एआई न तो पनप सकता है और न ही स्थायी रूप से प्रगति कर सकता है। वह वास्तविक बुद्धिमत्ता भारत के युवाओं और प्रतिभाओं में प्रचुर मात्रा में है। इस दिशा में देश की सभी पहल पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने का इरादा रखती हैं। पिछले दिनों एक पाडकास्ट में नरेंद्र मोदी ने कहा कि इंडिया सिर्फ एआई का मॉडल नहीं बना रहा, बल्कि इसके विशेष उपयोग के मामलों के हिसाब से एआई आधारित एप्लिकेशन को भी विकसित कर रहा है। इसलिए एआई सिस्टम को यह ध्यान में रखते हुए बनाया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी के सेवा, सुशासन और समर्पण के ग्यारह वर्ष

सुनील कुमार तिवारी

साल 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब देश एक निर्णायक नेतृत्व की तलाश में था। आर्थिक अनिश्चितता, नीतिगत पंगुता और भ्रष्टाचार के मामलों ने जनता को निराश कर दिया था। ऐसे समय में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय मंच पर एक उम्मीद की किरण बनकर उभरे। एक चाय बेचने वाले से लेकर देश के शीर्ष नेतृत्व तक का उनका सफर न केवल प्रेरणादायक रहा है, बल्कि यह उस विश्वास और प्रतिबद्धता की कहानी है जो उन्होंने देश की जनता के साथ साझा की। पिछले 11 वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। चाहे वह आधारभूत ढांचा हो, आर्थिक विकास, गरीब कल्याण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, युवाओं का सशक्तिकरण या फिर वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है-भ्रष्टाचार से मुक्त शासन। इतने लंबे समय तक शीर्ष पद पर रहने के बावजूद मोदी पर व्यक्तिगत स्तर पर कोई भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा, जो भारतीय राजनीति में एक दुर्लभ उपलब्धि है। उनके नेतृत्व में सरकार ने "न खाऊंगा, न खाने दूंगा" के सिद्धांत पर चलते हुए प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यक्षमता को प्राथमिकता दी। एक और उल्लेखनीय पहल यह रही कि मोदी सरकार ने राजनीतिक स्थिरता के साथ निर्णायक शासन का उदाहरण प्रस्तुत किया। तीन बार लगातार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर नरेन्द्र मोदी ने यह साबित किया कि यदि नेतृत्व जनविश्वास अर्जित कर सके तो लोकतंत्र में लंबी स्थिरता संभव है।

गरीबों का सशक्तिकरण और जनकल्याण योजनाएं

प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई): गरीबों को पक्के मकान देने के वादे को जमीन पर उतारते हुए सरकार ने अब तक 4 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण किया है।

यह योजना विशेष रूप से महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्रेशन को बढ़ावा देती है, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बल मिला।

उज्ज्वला योजना: आठ करोड़ से अधिक बीपीएल परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन देकर सरकार ने न केवल महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम उठाया, बल्कि स्वच्छ ईंधन के उपयोग को भी प्रोत्साहित किया।

जल जीवन मिशनः हर घर जल अभियान के तहत 14 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल की सुविधा पहुंचाई गई। इससे न केवल ग्रामीण महिलाओं को राहत मिली, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य में सुधार भी हुआ।

स्वच्छ भारत मिशनः साल 2014 में खुले में शौच मुक्त भारत का सपना देखते हुए शुरू किए गए इस मिशन के तहत 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ। यह न केवल स्वच्छता की दिशा में क्रांति साबित हुई, बल्कि सामाजिक गरिमा का प्रतीक भी बनी।

डिजिटल इंडिया और टेक्नोलॉजिकल क्रांति: डिजिटल इंडिया केवल एक अभियान नहीं रहा, यह देश की अर्थव्यवस्था और प्रशासन में क्रांतिकारी बदलाव का आधार बना।

यूपीआई क्रांति: मार्च 2025 में अकेले 1,830 करोड़ डिजिटल ट्रांजेक्शन हुए जिनका मूल्य 24.77 लाख करोड़ रुपये रहा। यह विश्व स्तर पर भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी): अब तक 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजी गई, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण हुआ।

दूरसंचार विस्तार: देश के हर कोने में 4जी और अब 5जी नेटवर्क की पहुंच, ग्रामीण भारत को डिजिटल रूप से जोड़ने में सफल रही है।

बुनियादी ढांचे में क्रांति: प्रधानमंत्री मोदी का एक बड़ा फोकस रहा है-विश्व स्तरीय आधारभूत ढांचे का निर्माण।

राजमार्ग निमार्ण: 2014 के बाद से अब तक 90,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ।

रेलवे आधुनिकीकरण: 100 से अधिक रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया गया, बुलेट ट्रेन परियोजना पर कार्य चल रहा है, और वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों की शुरूआत हुई है।

एयरपोर्ट निमार्ण: यूडीएएन योजना के तहत छोटे शहरों को हवाई संपर्क से जोड़ा गया। अब देश में 150 से अधिक एयरपोर्ट्स कार्यरत हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर स्केल: 2014 की तुलना में आधारभूत परियोजनाओं के लिए आवंटित बजट में पांच गुना से अधिक की वृद्धि की गई है।

आत्मनिर्भर भारत और आर्थिक विकास

कोरोना महामारी के दौरान घोषित "आत्मनिर्भर भारत अभियान" केवल एक नारा नहीं था, बल्कि एक व्यापक दृष्टिकोण था जिसमें उत्पादन, नवाचार, निर्यात और रोजगार सभी शामिल थे।

मेक इन इंडियाः देश अब रक्षा, मोबाइल, सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल, और इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर है।

विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाः साल 2014 में भारत 11वीं अर्थव्यवस्था था, आज वह चौथे पायदान पर है, और जल्द ही तीसरे स्थान पर आने की संभावना है।

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य हो

- ललित गर्ग -

भारत एक ओर जहां लगातार तेज ग्रोथ करते हुए बीते दिनों जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना, तो वहीं उपलब्धियों का सिलसिला जारी है औ? दुनिया इसका लोहा मान रही है। अब एक और खुश करने वाली रिपोर्ट आई है, जो विश्व बैंक ने जारी की है, जिसमें भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी की रोशनी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ.गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है।

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है।

डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। इन पांच राज्यों ने ही 2022-23 तक गरीबी कम करने में दो-तिहाई का योगदान दिया है।

विश्व बैंक ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत से गरीबी उन्मूलन की योजनाओं एवं सोच से प्रेरणा लेने की बात कही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 45 प्रतिशत आबादी गरीबी में है। भारत की गरीबी दर 5.3 प्रतिशत और पाकिस्तान की 42.4 प्रतिशत है। इसका सबसे बड़ा कारण पाक अपना सारा ध्यान आतंकवाद एवं आतंकवादियों के पोषण पर देता है, गरीबी दूर करना उसकी योजनाओं एवं नीतियों में दूर-दूर तक नहीं है। इसीलिये भारत ने वैश्विक मंचों पर पाक पर यह आरोप भी लगाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय सहायता का दुरुपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। भारत ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे पाक को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा करें, क्योंकि इसका उपयोग आम लोगों के कल्याण के बजाय सैन्य खर्च और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा है। हाल के पाहलगाम हमले के बाद भारत ने इस मुद्दे को और जोरदार तरीके से उठाया, जिसमें उसने पाक के सैन्य बजट में 18 प्रतिशत वृद्धि और सामाजिक कल्याण पर कम खर्च को उजागर किया। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। पाक में यही स्थितियां देखने को मिल रही है।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। गरीबी-अमीरी के बीच के बढ़ते फासले को कम करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं।

एक ही झूठ को बार बार दोहराने से वह सच नहीं हो जाता

अशोक भाटिया , मुंबई

यह काफी पुरानी कहावत है कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो वह सच लगने लगता है। सोशल मीडिया के जमाने में यह बात और भी सही साबित हो रही है। फर्जी खबरों से परेशान होकर गूगल और फेसबुक ने वादा किया है कि वे इस समस्या से निपटने के प्रयास कर रहे हैं। मगर सवाल यह है कि क्या यह वाकई एक समस्या है और क्या लोग वाकई इतने भोले-भाले होते हैं कि झूठ को बार-बार बोलने से उस पर यकीन करने लगें?

कुछ अध्ययनों से तो लगता है कि सचमुच ऐसा ही होता है। यू.एस. के एक पत्रकार क्रेग सिल्वरमैन ने कुछ ऑनलाइन झूठी खबरों का विश्लेषण करने पर पाया कि झूठी खबरों को ज्यादा तवज्जो मिलती है बनिस्बत उन आलेखों के जो इन खबरों का पदार्फाश करने की कोशिश करते हैं। शायद आपको लगे कि आप ऐसी झूठी खबरों के जाल में नहीं फंस सकते। मगर 1940 में किए गए एक अध्ययन का निष्कर्ष था कि ह्लकोई अफवाह जितनी ज्यादा बार कही जाए, वह उतनी ही संभव लगने लगती है ह्ल इसका मतलब है कि कोई झूठ सिर्फ प्रसार के दम पर लोगों के विचारों और अभिमतों को प्रभावित कर सकती है।

इसके बाद 1977 में एक और अध्ययन ने इसी बात को थोड़ा अलग ढंग से प्रस्तुत किया था। यूएस के कुछ शोधकताओं ने कॉलेज के विद्यार्थियों से किसी वक्तव्य की प्रामाणिकता को लेकर पूछताछ की। उन्हें बताया गया था कि वह वक्तव्य सही भी हो सकता है और गलत भी। शोधकताओं ने पाया कि यदि उसी वक्तव्य को कुछ दिनों बाद फिर से दोहराया जाए तो इस बात की संभावना बढ़ती है कि विद्यार्थी उस पर यकीन करने लगेंगे।

वर्ष 2015 में वान्डरविल्ट विश्वविद्यालय (टेनेसी) की लिजा फेजियो ने एक अध्ययन में देखा कि चाहे विद्यार्थी जानते हों कि कोई कथन गलत है, मगर यदि उसे दोहराया जाए, तो काफी संभावना बनती है कि वे उस पर विश्वास कर लेंगे। फेजियो का कहना है कि झूठी खबरें लोगों को तब भी प्रभावित कर सकती हैं जब वे जानते हैं कि वह झूठी है। वही खबर या वही सुर्खियां बार-बार पढ़ने पर लगने लगता है कि शायद वह सच है। लोग प्रायः जांच करने की कोशिश भी नहीं करते।

मसलन, हाल में किए गए एक अध्ययन में यूएस के हाई स्कूल छात्रों को एक तस्वीर दिखाई थी। इसमें बताया गया था कि दुर्घटना के बाद फुकुशिमा दाइची परमाणु बिजली घर के आसपास पौधों पर विकृत फूल उग रहे हैं। जब यह पूछा गया कि क्या वह तस्वीर बिजली घर के आसपास की स्थिति का प्रमाण माना जा सकता है, तो मात्र 20 प्रतिशत छात्रों ने ही इस पर शंका जाहिर की जबकि 40 प्रतिशत ने तो माना कि यह स्पष्ट प्रमाण है। तस्वीर के साथ यह नहीं बताया गया था इसे प्रस्तुत किसने किया है।

कुछ अध्ययनों से यह भी पता चला है कि आजकल लोग सर्च इंजिन्स पर काफी भरोसा करते हैं और उसमें भी जो पहली प्रविष्टि होती है उसे ही सच मान लेते हैं।

ऐसी स्थिति में आलोचनात्मक सोच विकसित करने का महत्व बहुत बढ़ जाता है अन्यथा हम झूठ और सच का फैसला किए बगैर अफवाहों के जंगल में हाथ-पांव मारते रहेंगे।

हिटलर के युद्ध विशेषज्ञ गोएबल्स ने भी यही दर्शन इस्तेमाल किया था। इसलिए हिटलर जीत नहीं पाया, लेकिन हिटलर के बयान में सच्चाई लग रही थी। राहुल गांधी के बारे में भी यही बात कही जा सकती है। राहुल गांधी एक ही बात को बार-बार झूठ बोलने के आदी हो गए हैं और वह हर चुनाव हार जाते हैं और अभी भी भाजपा के खिलाफ आरोप लगाते रहते हैं। लेकिन वे किसी काम के नहीं हैं और लोग हंसते हैं। राहुल ने ताजा आरोपों में भाजपा पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि भाजपा ने हाल के चुनावों में एक बड़ा धोखा किया है और उन्होंने इसे उजागर करने का नाटक किया है। लेकिन चुनाव आयोग ने पारस्परिक रूप से उन पर आरोप लगाया है और दिखाया है कि उनके आरोप कितने झूठे और हास्यास्पद हैं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने राहुल को जवाब दिया है और वो भी अपने अंदाज में। उन्होंने कहा कि राहुल द्वारा अपने नवीनतम लेख में लगाए गए आरोप उनके फर्जी नैरेटिव का एक अकाउंट है। यह इस बात का संकेत है कि आगामी बिहार चुनाव में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल किस तरह निराश होंगे। उन्होंने राहुल के हर फर्जी नैरेटिव पर नकेल कसी है और उनके द्वारा उठाए गए हर बिंदु का जवाब दिया है।

कांग्रेस चुनाव दर चुनाव हार रही है और हर बार कांग्रेस पार्टी किसी और को जिम्मेदार ठहराने के बजाय उसे जिम्मेदार ठहरा रही है।

नीलम करवरिया कप क्रिकेट :101 क्रिकेटरों ने दिया बारा टीम का ट्रॉयल

प्रयागराज। अक्टूबर माह में प्रस्तावित नीलम करवरिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए बारा विधानसभा टीम का ट्रॉयल को खंडाला क्रिकेट मैदान, रीवा रोड, जारी बाजार में हुआ। आयोजन सचिव सक्षम करवरिया के नेतृत्व में मुख्य चयनकर्ता केबी काला के साथ एलबी काला, प्रदीप सिंह, राकेश मिश्र, सुशील ओझा और जाहिद अली ने खिलाड़ियों का परीक्षण किया। ट्रॉयल के लिए 131 क्रिकेटरों ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पंजीकरण कराया था। जिसमें दो दिनों में 101 खिलाड़ियों ने ट्रॉयल दिया। फूलपुर विधानसभा टीम का ट्रॉयल 11 व 12 जून को वर्मा क्रिकेट अकादमी झूंसी मैदान पर होगा।

हैरी ब्रुक ने 11 दिनों के अंदर जीती दूसरी श्रृंखला, वेस्टइंडीज को दूसरे टी20 में हराया

ब्रिस्टल (इंग्लैंड)। इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी20 अंतराष्ट्रीय में वेस्टइंडीज को 9 गेंद शेष रहते चार विकेट से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। टीम ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में भी सूपड़ा साफ किया था जिससे नए कप्तान हैरी ब्रुक को 11 दिनों के अंदर दूसरी श्रृंखला में जीत दर्ज की। जोस बटलर के बाद टीम की कमान संभालने वाले ब्रूक की यह पांच मैचों में पांचवीं जीत है। वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर 6 विकेट पर 196 रन बनाए। इंग्लैंड ने 18.3 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 199 रन बनाकर मैच और श्रृंखला जीत ली। इंग्लैंड ने 9 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की लेकिन उसके लिए वेस्टइंडीज के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं था। जरूरी रनरेट एक समय 11 रन प्रति ओवर से अधिक हो गया था। टीम हालांकि शीर्ष क्रम में छह में से पांच बल्लेबाजों के शानदार प्रयास से जीत दर्ज करने में सफल रही। जैकब बेथेल (10 गेंद में 26 रन) और टॉम बैंटन (11 गेंद में नाबाद 30) ने पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 21 गेंदों पर 56 रन की साझेदारी कर वेस्टइंडीज की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। श्रृंखला के शुरुआती मैच में 96 रन बनाने वाले बटलर ने 36 गेंदों पर 47 रन बनाकर एक बार फिर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। वेस्टइंडीज ने इससे पहले आखिरी दो ओवर में 47 रन बटोर कर प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। इस दौरान टीम ने 19वें ओवर में आदिल राशिद के खिलाफ पांच छक्के की मदद से 31 रन बटोरे।

इंग्लैंड महिला टीम ने 61 रन से जीता अंतिम वनडे मैच, वेस्टइंडीज को किया क्लीन स्वीप

टॉन्टन । सेरा ग्लेन (तीन विकेट), एमिली आरलट (दो विकेट) के बाद कप्तान नेट सायबर ब्रंट (नाबाद 57) रनों की पारी की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डकवर्थ लुईस नियम (डीएलएस पद्धति) से 61 रनों से हरा दिया। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज महिला टीम ने 21 ओवर में आठ विकेट पर 106 रन का स्कोर बनाया। किआना जोसेफ ने वेस्टइंडीज के लिए सर्वाधिक 34 रन बनाए। आलियाह एलेन ने (27), कप्तान शमेन कैंपबेल ने (18) रनों का योगदान दिया। जाहजरा क्लैक्सटन (11) रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड की ओर से सेरा ग्लेन ने तीन, एमिली आरलट ने दो विकेट लिए। केट क्रॉस, लॉरेन फाइलर और शार्लेट डीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। बारिश के कारण मुकाबले को 21-21 ओवरों का कर दिया गया था। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने मात्र 10.5 ओवरों में एक विकेट पर 109 रन बनाकर मुकाबला (डीएलएस पद्धति) से 61 रनों से जीत लिया। इंग्लैंड के लिए सोफिया डंकली ने 21 गेंदों में (26) रनों की पारी खेली।

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने सांसद प्रिया सरोज से की सगाई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने लखनऊ में समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज से सगाई कर ली। उनकी शादी इस साल 18 नवंबर को होने वाली है। प्रिया के पिता तूफानी सरोज ने कहा कि सगाई समारोह एक निजी कार्यक्रम था, जिसमें करीबी परिवार के सदस्य, दोस्त और रिश्तेदार शामिल हुए थे। 27 वर्षीय रिंकू ने पिछले कुछ सालों में भारत के लिए 2 वनडे और 33 टी20 मैच खेले हैं और वह आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स की एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं। 26 वर्षीय प्रिया जौनपुर के मछलीशहर निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार सांसद बनी हैं। दुल्हन के पिता ने कहा, 'रिंकू और प्रिया एक-दूसरे को काफी समय से जानते हैं। उनकी मुलाकात प्रिया के दोस्त के पिता के जरिए हुई, जो खुद एक क्रिकेटर हैं। दोनों परिवारों के आशीर्वाद से उन्होंने शादी करने का फैसला किया।'

पीवीएल 4 नीलामी: जेरोम विनीत, शमीमुद्दीन और विनीत कुमार सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने

एजेंसी

कालीकट। प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) सीजन 4 की नीलामी में जेरोम विनीत सी, शमीमुद्दीन और विनीत कुमार ने सबसे अधिक बोली हासिल कर सुर्खियां बटोरीं। इन तीनों खिलाड़ियों को प्लेटिनम कैटेगरी में ?22.5 लाख की कीमत पर खरीदा गया। जेरोम विनीत को चेन्नई ब्लिट्ज ने अपनी टीम में शामिल किया, वहीं शमीमुद्दीन को कालीकट हीरोज और विनीत कुमार को कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने अपनी टीम में जोड़ा।

कुल 789 खिलाड़ियों की बोली, 10 फ्रेंचाइजियों ने किए 6 करोड़ से अधिक खर्च

इस बार नीलामी में कुल 789 खिलाड़ी शामिल हुए, जिन पर 10 फ्रेंचाइजियों ने बोली लगाई। कुल ?6 करोड़ 8 लाख 50 हजार की राशि खर्च की गई। हर फ्रेंचाइजी को अपने पुराने खिलाड़ियों को रिटेन करने या उन्हें ऑक्शन पूल में छोड़ने का विकल्प मिला था। विदेशी खिलाड़ियों का चयन ड्राफ्ट सिस्टम से किया गया।

चेन्नई ब्लिट्ज की खरीदारी

जेरोम विनीत के अलावा चेन्नई ब्लिट्ज ने एम. अश्विन राज, आदित्य राणा और समीर चौधरी को ?8 लाख में, नांजिल सूर्या को ?5.75 लाख, टी. श्रीकांत को 6.5 लाख, तरुण गौड़ा के को 4.25 लाख, कैला विष्णु वर्धन बाबू और नमिथ एमएन को 3 लाख में खरीदा।

कालीकट हीरोज ने बनाई संतुलित टीम

शमीमुद्दीन के अलावा कालीकट हीरोज ने संतोश एस को 11.5 लाख, मोहनुक्कापांडियन को 8 लाख, अब्दुल रहीम और मुकेश कुमार को ?4 लाख तथा हारिस, किरणराज थेवलिल और उसामा रहमत को ?3 लाख में टीम में शामिल किया।

कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने भी दिखाई आक्रामकता

विनीत कुमार के साथ कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने जसजोध सिंह को 14.75 लाख, अमलके थॉमस को 6.5 लाख, जानशाद यू को ?4.25 लाख, और अयुष पांडे, निर्मल जॉर्ज, सचिन के, हेमंत पी और एलन अशोक वीएल को ?3 लाख में खरीदा।

अहमदाबाद डिफेंडर्स का मजबूत दांव

अहमदाबाद डिफेंडर्स ने शॉन टी जॉन को ?11.5 लाख, अंगमुथु को ?11 लाख, अखिन जीएस को ?10.25 लाख में खरीदा। अर्शक सिनान को ?8 लाख, पी. प्रभाकरण को 3.25 लाख, जबकि ध्रुविल पटेल, अभिनव बीएस और हर्ष चौधरी को ?3 लाख में टीम का हिस्सा बनाया।

बेंगलुरु टॉरपीडोज़ ने देर से लेकिन बड़ा दांव खेला

बेंगलुरु टॉरपीडोज़ ने जिश्नू पीवी को ?14 लाख में खरीदा। जोएल बेंजामिन जे ?6.5 लाख में टीम से जुड़े, वहीं रोहित कुमार और इबिन जोस को ?5 लाख में, हिमांशु त्यागी को ?4.25 लाख में और संदीप को ?3 लाख में टीम में शामिल किया गया। नितिन मिन्हास को 4.2 लाख में खरीदा गया। दिल्ली तूफान ने मुहम्मद जसीम को 11 लाख, आयुष को 9 लाख, मन्नत चौधरी को 6.5 लाख, जॉर्ज एंटनी को 5 लाख और अभिषेक राजीव, अविनाश व रिजास केआर को 3 लाख में टीम में शामिल किया।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 3-2 से हराकर यूरोपीय दौरे की शानदार शुरुआत की

एजेंसी

एंटवर्प (बेल्जियम)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 3-2 की रोमांचक जीत दर्ज कर यूरोप दौरे की विजयी शुरुआत की। यह मुकाबला एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्क्स प्लेन में खेला गया। भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया और 11वें मिनट में गीता यादव के शानदार गोल की बदौलत बढ़त बना ली। हालांकि, 25वें मिनट में बेल्जियम की मैरी गोएंस ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद 34वें मिनट में लुईस वैन हेके ने गोल कर मेजबान टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने हार नहीं मानी और 40वें मिनट में सोनम ने बराबरी का गोल कर मुकाबले में वापसी दिलाई। भारतीय टीम का आत्मविश्वास फिर से चरम पर पहुंचा और 45वें मिनट में लालथनल्लुआंगी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 3-2

की निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद भारत ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाया और बेल्जियम को बराबरी करने का कोई मौका नहीं दिया। अंततः भारत ने यह मुकाबला 3-2 से जीत लिया। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अब अपना अगला मुकाबला 10 जून को एक बार फिर बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

मार्क मार्केज ने अरागोन ग्रां प्री जीतकर पूरा किया परफेक्ट वीकेंड, डुकाटी का पोडियम पर कब्ज़ा

एजेंसी

अल्कानीज़ । डुकाटी के स्टार राइडर मार्क मार्केज ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मोटरलैंड सर्किट पर उनका कोई सानी नहीं है। उन्होंने पोल पोजिशन से शुरुआत करते हुए अरागोन ग्रां प्री में शानदार जीत दर्ज की और चैंपियनशिप में अपनी बढ़त और मज़बूत कर ली। इस जीत के साथ मार्क ने न केवल सीज़न की सातवीं जीत हासिल की, बल्कि इस सर्किट पर रिकॉर्ड सातवीं बार जीतकर इतिहास भी रच दिया। उनके छोटे भाई एलेक्स मार्केज ने ग्रेसिनी रेसिंग के लिए दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि डुकाटी टीम के ही फ्रांसेस्को बगनाइया तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह डुकाटी ने पोडियम पर पूरी तरह कब्ज़ा जमाया।

सभी सेशनों में दिखाया दबदबा

मार्क मार्केज़ ने वीकेंड के हर सेशन – प्रैक्टिस, क्वालिफाइंग, वार्मअप और रेस – में टॉप पर रहकर 2015 जर्मन ग्रां प्री के बाद पहली बार किसी राइडर ने हर सेशन में बढ़त बनाई। उस समय भी ये कारनामा खुद मार्क ने ही किया था।

उन्होंने कहा, यह वीकेंड शानदार रहा। हर सेशन में लीड करना, पूरा फोकस बनाए रखना जरूरी था। एलेक्स और पेको (बगनाइया) की रेस पेस तेज थी, लेकिन मैं गैप

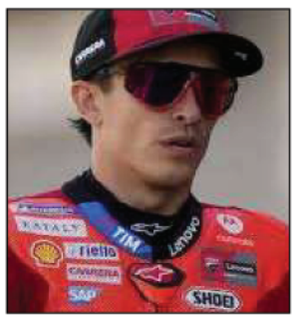

कंट्रोल करता रहा। भाई के साथ जीत सेलिब्रेट करना बहुत खास था।

भाईचारा और सोशल मीडिया पर बना रहा रोमांच

रेस से पहले दोनों मार्केज़ भाइयों के बीच सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर मज़ेदार बहस चल रही थी कि उनकी मां किसे सपोर्ट करेंगी। रेस जीतने के बाद मार्क ने अपनी मां को डुकाटी की लाल शर्ट भेंट की, जिससे मज़ेदार लम्हा बन गया। रेस के बाद दोनों भाई घरेलू दर्शकों के सामने हाथ में हाथ डालकर डांस करते भी दिखे, जो उनके सम्मान में बनाए गए विशेष स्टैंड में मौजूद थे।

बगनाइया की पकड़ और अकॉस्टा की चुनौती

रेस के शुरुआती मोड़ पर मार्क ने बेहतरीन लॉन्च के साथ बढ़त बनाई और पहले मोड़ में ही लीड ले ली। एलेक्स दूसरे स्थान पर टिके रहे, जबकि तीसरे स्थान के लिए बगनाइया और केटीएम के पेड्रो अकॉस्टा के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। हालांकि, अनुभव के दम पर बगनाइया ने अकॉस्टा को पछाड़ दिया। वहीं, केटीएम के ही ब्रैड बिंडर का क्रैश होना टीम के लिए झटका साबित हुआ।

चैंपियनशिप में बढ़त

इस जीत के साथ मार्क मार्केज़ ने अपने भाई एलेक्स पर 32 अंकों की बढ़त बना ली है, जबकि बगनाइया अब शीर्ष से 93 अंक पीछे हैं। सीज़न के इस पड़ाव पर मार्क की फॉर्म और आत्मविश्वास उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बना रही है।

पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में स्पेन को हराकर दूसरी बार जीता नेशंस लीग का खिताब

एजेंसी

म्यूनिख। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगुवाई में पुर्तगाल ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए यूएफ़ा नेशंस लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में पुर्तगाल ने स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हराया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर थीं।

रोनाल्डो ने दिलाया बराबरी का गोल

मुकाबले की शुरुआत स्पेन के पक्ष में रही, जब 21वें मिनट में मार्टिन ज़ुबिमेंडी ने अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय गोल करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। लेकिन जल्द ही पुर्तगाल ने वापसी की और नूनो मेंडेस ने रोनाल्डो की मदद से शानदार गोल करते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।

पेड्री का कमाल और फिर रोनाल्डो का जवाब

स्पेन ने पहले हाफ के अंत तक फिर से बढ़त बनाई। मिडफील्डर पेड्री के बेहतरीन पास पर मिकेल ओयारज़ाबाल ने गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। हालांकि, दूसरे हाफ में रोनाल्डो ने एक बार फिर मौके का फायदा उठाया और 138वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागते हुए पुर्तगाल को बराबरी दिला दी।

शूटआउट में स्पेन चूका, पुर्तगाल ने मारी बाज़ी

मैच के अंतिम क्षणों में रोनाल्डो चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। अतिरिक्त समय में भी दोनों टीमों के बीच कोई फर्क नहीं पड़ा और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचा। यहां स्पेन के अल्वारो मोराटा चूक गए, जबकि पुर्तगाल ने अपने सभी पांच पेनल्टी गोल में बदले। आखिरी किक रूबेन नेवेस ने लगाई और पुर्तगाल को दूसरी बार नेशंस लीग चैंपियन बना दिया।

रोनाल्डो की भावुक विदाई

जीत के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपने आंसू नहीं

रोक सके। यह संभवतः उनका आखिरी बड़ा टूर्नामेंट हो सकता है और टीम को ट्रॉफी दिलाकर वह भावुक हो उठे। 40 साल की उम्र में भी उनका जज्बा और प्रदर्शन प्रशंसकों के लिए प्रेरणादायक रहा।

स्पेन की अपराजेय रेखा टूटी

स्पेन ने सेमीफाइनल में फ्रांस को 5-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था और मार्च 2023 से वह अपराजित रहा था। यूरो 2024 का खिताब जीतने के बाद यह उनका लगातार दूसरा बड़ा फाइनल था, लेकिन इस बार रोनाल्डो और पुर्तगाल के सामने उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

तीसरे दिन भारत ए का दबदबा, खलील अहमद चमके, राहुल और ईश्वरन ने लगाया अर्धशतक

एजेंसी

नई दिल्ली। खलील अहमद की चार विकेट की शानदार गेंदबाजी, इंग्लैंड लॉयंस की निचले क्रम की लड़ाकू पारियां और फिर केएल राहुल व अभिमन्यु ईश्वरन की अर्धशतकीय साझेदारी के दम पर भारत ए ने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। भारत ए ने तीसरे दिन स्टंप्स तक 4 विकेट पर 163 रन बनाकर 184 रन की कुल बढ़त हासिल कर ली है।

खलील की कहर बरपाती गेंदबाजी, लॉयंस ढेर होते-होते बचे

दिन की शुरुआत 192/3 से करने वाली इंग्लैंड लॉयंस की टीम 243/8 तक लड़खड़ा गई थी, जहां खलील अहमद ने कहर बरपाया। उन्होंने लगातार विकेट चटकाकर भारत ए को मजबूत वापसी कराई। हालांकि जोश टंग (36*) और फरहान अहमद (24) ने निचले क्रम में जुझारू बल्लेबाजी कर टीम को 327 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। खलील ने 4/70 की शानदार गेंदबाजी की।

राहुल-ईश्वरन की साझेदारी ने दिलाई बढ़त

दूसरी पारी में भारत ए की शुरुआत खराब रही और यशस्वी जायसवाल एक बार फिर सस्ते में आउट हो गए। लेकिन इसके बाद केएल राहुल (51) और अभिमन्यु ईश्वरन (80) ने 88 रनों की अहम साझेदारी की। राहुल ने पहले पारी के शतक के बाद दूसरी पारी में भी शानदार बैटिंग करते हुए फिफ्टी जड़ी। वहीं, कप्तान ईश्वरन अंत तक टिके रहे और 80 रन की दमदार पारी खेली। करुण नायर ने कुछ आकर्षक शॉट्स खेले लेकिन 15 रन बनाकर आउट हो गए। दिन के अंतिम क्षणों में रोशनी की समस्या के चलते खेल रोकना पड़ा और ईश्वरन का विकेट भी गिर गया जब उन्होंने वोक्स की गेंद पर स्लिप में कैच थमा दिया। इससे पहले सुबह के सत्र में जॉर्डन कॉक्स (45) और जेम्स रियू ने खलील और शार्दुल को चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन खलील ने दोनों को आउट कर भारत ए को बढ़त दिलाई। शार्दुल को स्विंग मिली लेकिन वो विकेट नहीं ले सके। तुषार देशपांडे और अंशुल काम्बोज ने बाद में असरदार गेंदबाजी की और पुछल्ले बल्लेबाजों को आउट कर पारी समेटी।

स्कोर संक्षेप में:

भारत ए: 348 और 163/4 (अभिमन्यु ईश्वरन 80, केएल राहुल 51; क्रिस वोक्स 2/31)

इंग्लैंड लॉयंस: 327 (एमिलियो गे 71, टॉम हेन्स 54; खलील अहमद 4/70)

भारत ए को कुल बढ़त: 184 रन

भारत ए की नजरें अब चौथे दिन इंग्लैंड लॉयंस पर दबाव बनाने और मैच में निर्णायक बढ़त लेने पर होंगी।

मैगनस कार्लसन नें रिकॉर्ड 7वीं बार जीता नॉर्वे शतरंज का खिताब, गुकेश रहे तीसरे स्थान पर

एजेंसी

स्टावेंगर। साल के सबसे मजबूत सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट नॉर्वे शतरंज का अंत बेहद नाटकीय अंदाज में हुआ जहां खिताब के दोनों प्रमुख दावेदार विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन और डी विश्व चैम्पियन डी गुकेश को हार का सामना करना पड़ा और ऐसे में कार्लसन विजेता बनने में कामयाब रहे । अर्जुन नें रोका कार्लसन का रथ - भारत के नंबर एक और दुनिया के नंबर 3 खिलाड़ी अर्जुन एरीगैसी सफ़ेद मोहरो से मैगनस का सामना कर रहे थे , पिछली बार वह कार्लसन से पांचवें राउंड में पराजित हो गए थे इस बार सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए पहले तो उन्होने कार्लसन से क्लासिकल में ड्रॉ पर रोका और फिर उन्हे टाईब्रेक आर्मगोडेन में मात देते हुए जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया । इस हार के बाद भी कार्लसन को क्लासिकल का एक अंक मिला और वह 16 अंको पर पहुँच गए । ऐसे में गुकेश के पास मौका था की वह कारुआना को हराए और विजेता बन जाये । करूआना के खिलाफ गुकेश नें काले मोहरो से इटेलिअन ओपनिंग में थोड़ा हटकर रास्ता बनाने की कोशिश की और राजा को वजीर के हिस्से में किलेबंदी करके ले गए जबकि करूआना नें राजा के हिस्से में किलेबंदी करते हुए अपने राजा को रखा और गुकेश पर हमला करना शुरू कर दिया । उन्होने अपना हाथी देकर गुकेश का एक ऊंट और घोडा ले लिया , इन सबके बावजूद गुकेश नें अपना एक प्यादा तेजी से वजीर बनाने के लिए आगे बढ़ा दिया और खेल की 48वीं चाल में जब गुकेश के पास सिर्फ 7 सेकंड बाकी थे ।

मुंबई सिटी एफसी ने मिजोरम के मिडफील्डर लालनुंतलुआंगा बावितलुआंगा को किया साइन

एजेंसी

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने आगामी 2025-26 इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सीजन से पहले एक अहम कदम उठाते हुए श्रीनिधि डेक्कन एफसी के मिडफील्डर लालनुंतलुआंगा बावितलुआंगा के साथ करार किया है। यह करार तीन साल के लिए हुआ है, जिससे यह युवा खिलाड़ी 2027-28 सीजन तक आइलैंडर्स के साथ जुड़ा रहेगा। 25 वर्षीय मिजोरमी खिलाड़ी ने पिछले तीन सीजनों में आई-लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। श्रीनिधि डेक्कन और रियल कश्मीर जैसे क्लबों के लिए खेलते हुए उन्होंने हर सीजन में 20 से अधिक मैचों में भाग लिया। मैदान पर उनकी ऊर्जा, दृढ़ता और निरंतरता उन्हें एक भरोसेमंद मिडफील्डर बनाती हैं। मुंबई सिटी द्वारा यह साइनिंग क्लब की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत

टीम को और अधिक संतुलित, युवा और प्रतिस्पर्धी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। लालनुंतलुआंगा के आने से टीम को मिडफील्ड में नई मजबूती और गति मिलने की उम्मीद है। लालनुंतलुआंगा बावितलुआंगा ने क्लब से जुड़ने पर खुशी जताते हुए कहा, मुंबई सिटी एफसी से जुड़ना मेरे लिए गर्व का विषय है। यह क्लब जिस इतिहास और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है, उसमें योगदान देना मेरे करियर की एक बड़ी उपलब्धि है। आईएसएल में खेलना मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक बड़ा कदम है और मैं इस अनुभव से बहुत कुछ सीखने और आगे बढ़ने की उम्मीद करता हूं।

क्लब के फुटबॉल निदेशक सुजय शर्मा ने कहा कि हमने लालनुंतलुआंगा को उनकी गति, अनुशासन और लगातार प्रदर्शन के चलते साइन किया है। वे एक जुझारू खिलाड़ी हैं, जो मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देते हैं। हमें भरोसा है कि वह हमारी मौजूदा टीम के साथ शानदार तालमेल बिठाएंगे और क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद करेंगे।

बुमराह ने सर्जरी से पहले बढ़ाया था कैमरून ग्रीन का हौसला, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने किया जिक्र

लंदन । कैमरून ग्रीन की पीठ की सर्जरी की पूर्व संध्या पर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक 'विशेष' संदेश ने ऑस्ट्रेलिया के इस हरफनमौला को सर्जरी करवाने के उनके फैसले को लेकर आश्वस्त कर दिया। ग्रीन को पिछले साल 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' हुआ था। यह चोट हालांकि 9 से 12 महीनों में स्वाभाविक रूप से ठीक हो सकती थी, लेकिन उन्होंने अक्टूबर में सर्जरी करवाने का फैसला किया। ग्रीन ने कहा, 'जसप्रीत बुमराह ने सर्जरी करवाने से एक रात पहले मुझसे संपर्क किया था। वह उस समय भारतीय टीम के लिए एक टेस्ट मैच खेल रहे थे। ऐसी कुछ चीजें वाकई बहुत खास होती हैं और आपको इससे बहुत अच्छा महसूस होता है। उनके जैसे किसी व्यक्ति का साथ मिलना और फिर उन्हें ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन करते देख कर मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है।

प्राइम वॉलीबॉल लीग प्लेयर ऑक्शन में चेन्नई ब्लिट्ज ने जेरोम विनीत पर लगाई सबसे ऊंची बोली

एजेंसी

कालीकट। भारत की प्रमुख पेशेवर वॉलीबॉल प्रतियोगिता प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) के चौथे सीजन की खिलाड़ी नीलामी में टीमों ने नए सत्र के लिए खिलाड़ियों को अपनी टीमों में शामिल करने के लिए जोरदार बोली लगाई। कालीकट में आयोजित इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में देशभर से चुने गए होनहार और अनुभवी खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा। इस प्रमुख वॉलीबॉल लीग का चौथा सीजन अक्टूबर, 2025 में शुरू होगा।

विनीत और शमीमुद्दीन बने सबसे महंगे खिलाड़ी

नीलामी की सबसे बड़ी खबर रही चेन्नई ब्लिट्ज द्वारा प्लैटिनम कैटेगरी से जेरोम विनीत सी को 22.5 लाख रुपये में खरीदना। इस ऑलराउंडर को पाने के लिए चेन्नई को बेंगलुरु टॉरपीडोज़ और कोलकाता थंडर बोल्ट्स से कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा। विनीत इससे पहले कालीकट हीरोज़ का हिस्सा थे। मेजबान कालीकट हीरोज़ ने भी स्थानीय खिलाड़ी शमीमुद्दीन को 22.5 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल कर फैन्स का दिल जीत लिया। इसके अलावा टीम ने मोहन उक्क्रापांडियन और संतोष एस को 8-8 लाख रुपये में राइट टू मैच विकल्प के तहत टीम में बरकरार रखा।

दिल्ली तूफांस ने अपनी सबसे बड़ी बोली लगाते हुए आयुष को 9 लाख रुपये में खरीदा। इसके अलावा टीम ने जॉर्ज एंटनी (5 लाख रुपये) और मन्नत चौधरी (6.5 लाख रुपये) को भी गोल्ड कैटेगरी में शामिल किया। कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने विनीत कुमार को 22.5 लाख रुपये में टीम में जोड़ा। साथ ही अमल के थॉमस (6.5 लाख रुपये) और जसजोध सिंह (14.75 लाख रुपये) जैसे खिलाड़ियों को खरीदकर नीलामी में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

अन्य टीमों की अहम खरीद

बेंगलुरु टॉरपीडोज़: जिश्नु पीवी को 14 लाख रुपये में खरीदा, जबकि जोएल बेंजामिन जे, इबिन जोस और रोहित कुमार को 5-6.5 लाख रुपये की रेंज में टीम में जोड़ा गया। अहमदाबाद डिफेंडर्स: शॉन टी जॉन को राइट टू मैच के तहत 11.5 लाख रुपये में बरकरार रखा। अंगमुथु (11 लाख रुपये) और अखिन जी. एस. (10.5 लाख रुपये) भी टीम में शामिल हुए। हैदराबाद ब्लैक हॉक्स: शिखर सिंह को 16 लाख रुपये में खरीदा, जबकि अमन कुमार (11.5 लाख रुपये) और दीपु वेणुगोपाल (5.75 लाख रुपये) को भी टीम का हिस्सा बनाया।

सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के प्रतिभा ट्रायल्स में नए चेहरों को मिला प्रो टी20 मंच पर मौका

एजेंसी

कोलकाता। बंगाल प्रो टी20 लीग के दूसरे सीजन की तैयारियों के तहत सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने कोलकाता में ओपन ट्रायल्स का आयोजन किया, जिसमें उत्तर बंगाल के विभिन्न जिलों से सैकड़ों उभरते क्रिकेटर्स ने भाग लिया। इस ट्रायल्स के माध्यम से चयनित 9 पुरुष और 2 महिला खिलाड़ियों को टीम के साथ नेट सेशन्स और अभ्यास सत्रों में शामिल किया गया। इस आयोजन में युवा खिलाड़ियों ने अपने हुनर का जोरदार प्रदर्शन किया। अनुभवी कोचों और टैलेंट स्काउट्स की निगरानी में की गई गंभीर और प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के बाद चुने गए खिलाड़ियों को सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के आगामी नेट कैंप में शामिल किया गया है।सर्वोटेक स्पोर्ट्स के निदेशक ऋषभ भाटिया ने ट्रायल्स को लेकर कहा, 'इस आयोजन में जो जोश और भागीदारी हमने देखी, वह उत्तर बंगाल की प्रतिभा पर हमारे विश्वास को और मजबूत करता है। हमारा लक्ष्य इन युवा खिलाड़ियों को पेशेवर मंच देना है ताकि वे राज्य और देश का नाम रौशन कर सकें।'

मार्की खिलाड़ी और टीम संरचना

पुरुष वर्ग में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज आकाश दीप को मार्की खिलाड़ी के रूप में बनाए रखा गया है। वहीं महिला टीम की अगुआई प्रियंका बाला करेंगी, जो इस वर्ग की मार्की खिलाड़ी हैं। सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स इस बार दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, अलीपुरद्वार और कलिम्पोंग जिलों का प्रतिनिधित्व करेंगे। नेट सेशन्स और अभ्यास सत्रों के लिए जिन 11 खिलाड़ियों का चयन किया गया है उसमें नौ पुरुष और दो महिला खिलाड़ी हैं। पुरुष वर्ग में आयुष तिवारी, शुभज्योति मैती, स्निग्धो चौधरी, समृद्ध बनर्जी, दानियाल चौधरी, आर्यन शॉ, अंकित कुमार सोनी, एसके जहीर अब्बास और रौनक रौशन को चुना गया है। जबकि महिला वर्ग में उर्जा लोहिया और काजल रॉय का चयन हुआ है।

टूर्नामेंट शेड्यूल

पुरुष वर्ग की शुरुआत 11 जून को ईडन गार्डन में होगी, जहां सोबिस्को स्मैशर्स मालदा और मुर्शिदाबाद किंग्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। वहीं, महिला लीग 12 जून से शुरू होगी और इसका ग्रैंड फिनाले 28 जून को ईडन गार्डन में दोपहर 1:30 बजे खेला जाएगा।

सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की मुख्य टीम:

पुरुष टीम: आकाश दीप (मार्की), सूरज सिंधु जायसवाल, विकास सिंह, तरुण गोदारा, अंकुर पॉल, शुभम चटर्जी, नुरुद्दीन मंडल, इरशाद आलम, अंकुश त्यागी, सौरव पॉल, मिथिलेश दास, राजू हलदर, पवन, लोकेश, आदित्य सिंह, शिवम् भारती, सचिन यादव, अनुस्तुप मजूमदार

महिला टीम: प्रियंका बाला (मार्की), स्नेहा गुप्ता, तिथि दास, झुम्पा रॉय, रत्ना बर्मन, अनन्या हलदर, मौली मंडल, अनिंदिता नाथ, स्वास्तिका कुंडू, पूजा अधिकारी, सुमना मंडल, सुप्रिथा सरकार, स्निग्धा बाग, नफीसा यास्मीन, रितु गायेन, सौमी रॉय

एलए में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच ट्रंप ने गवर्नर की आपत्ति के बावजूद नेशनल गार्ड की तैनाती का दिया आदेश

पैरामाउंट (कैलिफोर्निया)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम की सार्वजनिक आपत्ति के बावजूद 2,000 नेशनल गार्ड जवानों को लॉस एंजेलिस भेजने का आदेश दिया है। यह निर्णय एलए में आव्रजन अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच जारी झड़पों के दूसरे दिन लिया गया, जिसने स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि लॉस एंजेलिस में 'बढ़ती अराजकता' को रोकने के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती आवश्यक है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि तैनात जवान कब तक वहां पहुंचेंगे। गवर्नर न्यूसम, जो डेमोक्रेट पार्टी से हैं, ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'यह कदम जानबूझकर उकसावे वाला है और इससे हालात और खराब होंगे।' उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि 'संघीय सरकार तमाशा चाहती है, हमें उन्हें वह नहीं देना चाहिए।' स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी चेतावनी दी कि अगर हिंसा जारी रही तो कैम्प पेंडलटन स्थित यूएस मरीन के जवानों को भी सक्रिय रूप से तैनात किया जा सकता है। दरअसल, शनिवार को लॉस एंजेलिस के दक्षिण में स्थित लातीनी-बहुल शहर पैरामाउंट में, होम डिपो स्टोर के पास प्रदर्शनकारियों और फेडरल एजेंट्स के बीच टकराव हुआ था। प्रदर्शनकारियों ने बॉर्डर पेट्रोल वाहनों पर पत्थर और सीमेंट फेंके, जबकि अधिकारियों ने टीयर गैस, फ्लैश-बैंग और पेपर बॉल्स का इस्तेमाल किया।

प्रधानमंत्री सांचेज के खिलाफ सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब, समय पूर्व चुनाव की मांग

मैड्रिड। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। यह विरोध रैली देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी पीपल्स पार्टी (पीपी) ने आयोजित की थी। 'पीपल्स पाटी' के प्रमुख अल्बर्टो नुनेज फेइखो ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि स्पेन को क्रांति की जरूरत है और हम यह क्रांति सड़कों और मतपेटियों से शुरू करेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री से तत्काल आम चुनाव कराने की मांग करते हुए कहा कि कोई भी इस सरकार के लिए वोट नहीं देना चाहता, यहां तक कि उनके समर्थक भी नहीं। प्रदर्शनकारियों ने प्लाजा दे एस्पान्या में दोपहर की तेज गर्मी के बीच एकत्र होकर हाथों में सरकार विरोधी पोस्टरों के साथ अपना विरोध दर्ज कराया। केंद्र सरकार के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों के अनुसार, इस प्रदर्शन में लगभग 45 से 50 हजार लोग शामिल हुए, जबकि आयोजकों का दावा है कि यह संख्या एक लाख के करीब रही। उल्लेखनीय है कि बीते एक वर्ष में प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज, उनकी पार्टी स्पेनिश सोशलिस्ट वर्कर्स पार्टी (पीएसओई) और उनके परिवार पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे हैं। हाल ही में यह मामला उस समय और गंभीर हो गया जब पार्टी की एक पूर्व सदस्य लेइरे दियाज पर आरोप लगा।

रूस का यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला; रातभर में 479 ड्रोन लॉन्च किए, मिसाइलें भी दागीं

कीव। रूस ने यूक्रेन पर बड़ा हमला किया है। यूक्रेन ने दावा किया कि जब से युद्ध शुरू हुआ है, यह रूस का सबसे बड़ा हमला है। बताया जा रहा है कि रात भर रूस ने भारी बमबारी की। इस दौरान रूस ने यूक्रेन पर 479 ड्रोन लॉन्च किए। यूक्रेनी वायु सेना ने सोमवार को बताया कि ड्रोन के अलावा यूक्रेन के अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग तरह की 20 मिसाइलें दागी गईं। हमले आमतौर पर देर शाम शुरू होते हैं और सुबह खत्म होते हैं, क्योंकि अंधेरे में ड्रोन को पहचानना मुश्किल हो जाता है।

रूस ने तीन साल से अधिक समय तक चले युद्ध के दौरान यूक्रेन के नागरिक इलाकों में शाहेद ड्रोन से लगातार हमला किया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इन हमलों में 12,000 से अधिक यूक्रेनी नागरिक मारे गए हैं।

दक्षिणी लेबनान में इज़रायली हवाई हमले में हिज़्बुल्लाह सदस्य की मौत, 3 नागरिक घायल

बेरूत। दक्षिणी लेबनान में चेहाबियह-कफ़र दोनिन सड़क पर एक मोटरसाइकिल को निशाना बनाकर किए गए इज़रायली हवाई हमले में एक हिज़्बुल्लाह सदस्य की मौत हो गई और तीन लेबनानी नागरिक घायल हो गए। सुरक्षा और नागरिक सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी। एक लेबनानी सुरक्षा सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर पुष्टि की कि पीड़ित की पहचान चेहाबियह शहर के हिज़्बुल्लाह सदस्य अली शफ़ीक़ क़ान्सो के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि हवाई हमले के समय तीन नागरिक वहाँ से गुज़र रहे थे। लेबनान के नागरिक सुरक्षा के एक सूत्र ने बताया कि बचाव दल ने पीड़ित के शव और तीन घायल व्यक्तियों को दक्षिणी शहर टायर के एक अस्पताल में पहुँचाया है, साथ ही कहा कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है। लेबनान की आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार एक इज़रायली ड्रोन ने चेहाबियाह-कफ़र दोनिन सड़क पर एक मोटरसाइकिल को दो मिसाइलों से टक्कर मार दी।

लॉस एंजिल्स में हिंसक प्रदर्शन, डोनाल्ड ट्रंप बोले- गवर्नर और मेयर माफी मांगे, मास्क न पहनें

एजेंसी

लॉस एंजिल्स । अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन जारी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन दंगाइयों पर जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कैलिफोर्निया के गवर्नर और लॉस एंजिल्स की मेयर से माफी मांगने को कहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लॉस एंजिल्स में हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गार्ड्स भेजे हैं। यह पहला मौका है, जब किसी राज्य की नेशनल गार्ड को गवर्नर की अनुमति के बिना भेजा गया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिल्स की मेयर कैरेन बैस ने ट्रंप के नेशनल गार्ड्स भेजने के फैसले का विरोध किया है। इस विरोध के बाद ट्रंप ने एक पोस्ट में लिखा, 'गवर्नर गैविन न्यूसम और 'मेयर' बास को लॉस एंजिल्स के लोगों से उनके जरिए किए गए बेहद भयानक

काम के लिए माफी मांगनी चाहिए। इसमें एल.ए. में चल रहे दंगे भी शामिल हैं। ये प्रदर्शनकारी नहीं हैं, ये उपद्रवी और विद्रोही हैं। याद रखें, मास्क न पहनें।' इस बीच, एफबीआई ने संदिग्ध की पहचान, गिरफ्तारी और सजा दिलाने में मदद के लिए सूचना देने वाले को 50,000 डॉलर तक का इनाम देने का ऐलान किया है। सोमवार को डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ पर एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'लॉस एंजिल्स पर अवैध विदेशियों और अपराधियों ने आक्रमण करके कब्जा कर लिया है। अब हिंसक, विद्रोही भीड़ हमारे फेडरल एजेंट्स पर हमला कर रही है और हमारे निर्वासन अभियानों को रोकने की कोशिश कर रही है, लेकिन ये अराजक दंगे हमारे संकल्प को और मजबूत करते हैं।

ट्रंप ने आगे लिखा, मैं होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को सभी अन्य संबंधित विभागों और एजेंसियों के साथ समन्वय करके लॉस एंजिल्स को प्रवासी आक्रमण से मुक्त करने और इन प्रवासी दंगों को समाप्त करने के लिए जरूरी सभी कार्रवाई करने का निर्देश दे रहा हूं। शांति व्यवस्था बहाल की जाएगी। अवैध लोगों को निष्कासित किया जाएगा और लॉस एंजिल्स को मुक्त किया जाएगा।'अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ट्रंप की पोस्ट को 'एक्स' पर शेयर करते हुए लिखा, 'इस समय निर्णायक नेतृत्व की जरूरत है।

चीन ने ताइवान में सैन्य घेरा बढ़ाया, सात विमान, आठ नौसैनिक जहाज भेजे

एजेंसी

ताइपे, (ताइवान)। ताइवान और चीन के बीच सैन्य टकराव बढ़ता ही जा रहा है। चीन लगातार ताइवान की घेराबंदी कर रहा है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने कहा है कि आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक देश की क्षेत्रीय जल सीमा के पास चीन के सात विमानों और आठ नौसैनिक जहाजों को ट्रैक किया गया। चीन के सात में से पांच विमानों ने मध्य रेखा को पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। एमएनडी ने एक्स पोस्ट में कहा कि ताइवान के आसपास संचालित पीएलए विमानों और आठ पीएलएएन जहाजों की सात उड़ानें आज सुबह 6 बजे (यूटीसी+8) तक देखी गईं। सात में से पांच उड़ानें ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। ताइवान की सेना ने इस पर जवाबी प्रतिक्रिया दी। एमएनडी ने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा कि भी चीन के विमानों की 11 उड़ानें, सात चीनी नौसैनिक जहाजों को क्षेत्रीय जल सीमा के पास ट्रैक किया गया। 11 में से 6 उड़ानें ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। ताइवान की सेना ने निगरानी की और तदनुसार प्रतिक्रिया दी। इससे पहले बुधवार को ताइवान के तट रक्षक प्रशासन (सीजीए) ने कहा था कि उसने चीन के तट रक्षक के चार जहाजों को खदेड़ दिया। इन जहाजों को किनमेन काउंटी के पास ताइवान-नियंत्रित जल के पास ट्रैक किया गया था।

नॉर्वे ने जम्मू-कश्मीर पर भारत के रुख का किया समर्थन, पीएम मोदी की यात्रा का इंतजार

एजेंसी

मोनाको। नॉर्वे के अंतर्राष्ट्रीय विकास मंत्री आस्मुंड ग्रोवर ऑक्रस्ट ने मोनाको में ऐतिहासिक जहाज 'स्टैट्सराड लेहमकुहल' पर भारत के पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह के साथ बैठक में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकवादी घटना पर भारत के रुख का समर्थन किया।डॉ. जितेन्द्र सिंह से ऑक्रस्ट ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नॉर्वे यात्रा का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। आस्मुंड ग्रोवर ऑक्रस्ट ने कहा कि नॉर्वे में भारत के पक्ष में एक मजबूत जनभावना है, और कई नागरिक प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश का दौरा करते देखने की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं। पीएम मोदी की नार्वे सहित तीन देशों की यात्रा मई में होनी थी, लेकिन सीमा पर बनी तनाव की स्थिति के बाद उसे रद्द कर दिया गया था। वैश्विक मंचों पर भारत के निरंतर समर्थन के लिए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने ऑक्रस्ट का आभार जताया। इसे दोनों देशों के बीच

एकजुटता और बढ़ते आपसी सम्मान के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।इससे पहले, मोनाको में क्राई पोर्ट हरक्यूल पहुंचने पर डॉ. जितेंद्र सिंह का नॉर्वे के विदेश मंत्रालय के महासागर अनुभाग के निदेशक ट्रोंड गेब्रियलसन और वरिष्ठ सलाहकार इविंड एस. होमे ने गर्मजोशी से स्वागत किया। जैसे ही वह ऐतिहासिक अनुसंधान पोत 'स्टैट्सराड लेहमकुहल' पर सवार हुए, उनका स्वागत ऑक्रस्ट और पोत के कप्तान ने किया, जिससे द्विपक्षीय वार्ता की सौहार्दपूर्ण शुरुआत हुई। यह द्विपक्षीय भागीदारी 2019 में भारत और नॉर्वे के प्रधानमंत्रियों द्वारा घोषित महासागर प्रबंधन पर सहयोगात्मक समझौते पर आधारित है।

ईरानी संसद के अध्यक्ष ने अमेरिकी परमाणु समझौते पर उठाए सवाल, कहा, ' प्रस्ताव में विरोधाभास'

एजेंसी

तेहरान । ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कलीबाफ ने कहा कि तेहरान के साथ परमाणु समझौते के लिए हाल ही में अमेरिका का प्रस्ताव 'विरोधाभासी और कपटपूर्ण' है, क्योंकि इसमें प्रतिबंध हटाने का उल्लेख नहीं किया गया है।

समाचार एजेंसी के अनुसार, तेहरान में संसद के खुले सत्र में कलीबाफ ने उस प्रस्ताव की आलोचना की, जो तेहरान और वाशिंगटन के बीच चल रही अप्रत्यक्ष वार्ता के दौरान मई के अंत में ओमान के माध्यम से लाया गया था। कलीबाफ ने कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम की शांतिपूर्ण प्रकृति को प्रदर्शित करने के लिए कदम उठाने के लिए तैयार है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों का मुकाबला करने के लिए पारित 2020 के कानून के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि बदले में ईरान को प्रतिबंधों को हटाने, आर्थिक लाभों की गारंटी और घरेलू स्तर पर यूरेनियम संवर्धन के अधिकार को जारी रखने की उम्मीद है। कलीबाफ ने कहा, तथ्य

यह है कि अमेरिकी प्रस्ताव में प्रतिबंधों को हटाने का उल्लेख तक नहीं किया गया है, जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि परमाणु वार्ता में वाशिंगटन का दृष्टिकोण विरोधाभासी और कपट से भरा है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी कहा कि यदि वे वास्तव में समझौता चाहते हैं तो उन्हें अपने रुख में बदलाव लाना होगा। उन्होंने ट्रंप से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के 'असफल विचारों' का अनुसरण बंद करने का आग्रह किया। ईरान और अमेरिका ने अप्रैल से ओमान की मध्यस्थता में अप्रत्यक्ष वार्ता के पांच दौर पूरे कर लिए हैं। वार्ता का उद्देश्य प्रतिबंधों में राहत के बदले ईरान की परमाणु गतिविधियों को सीमित करना है। वाशिंगटन ने हाल ही में यूरेनियम संवर्धन पर पूर्ण रोक लगाने की मांग की है, ये एक ऐसी शर्त है जिसे ईरान ने बार-बार अस्वीकार किया है।

अमेरिका से निर्वासित किए गए 37 नेपाली नागरिकों को चार्टर्ड विमान से काठमांडू लाया गया

एजेंसी

काठमांडू। अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे 37 नेपाली नागरिकों को देर शाम को एक विशेष चार्टर्ड विमान से निर्वासित किए जाने के बाद त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। काठमांडू पहुंचने पर निर्वासितों को तुरंत नेपाली आप्रवासन अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों द्वारा पूछताछ करके उन्हें अपने गंतव्य तक जाने दिया गया। नेपाल के आप्रवासन विभाग के अनुसार, निर्वासित लोगों में वे व्यक्ति शामिल हैं जो या तो अपने वीजा से अधिक समय तक रहे थे, या अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कर चुके थे, या अपनी आप्रवासन स्थिति को नियमित करने में विफल रहे थे। निर्वासित लोगों से पूछताछ के बाद आप्रवासन अधिकारियों ने बताया कि कुछ को कथित तौर पर त्वरित निष्कासन प्रक्रियाओं के तहत भी हिरासत में लिया गया था। यह एक ऐसी नीति है जो अमेरिकी अधिकारियों को पूर्ण अदालत की सुनवाई के बिना भी अनिर्दिष्ट प्रवासियों को निर्वासित करने की अनुमति देती है यदि वे दो साल से कम समय से अवैध रूप से देश में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के आने के बाद नए सिरे से आव्रजन प्रवर्तन नीतियों के तहत अन्य देशों की तरह ही नेपाली नागरिकों का निर्वासन बढ़ गया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 में अब तक 150 नेपालियों को अमेरिका से निर्वासित किया गया है जो पूरे 2024 में निर्वासित की गई संख्या से दोगुने से अधिक है। यहां तक कि जिन लोगों ने पहले अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) के तहत शरण लिया था उन्हें भी निर्वासित होने के लिए कह दिया गया है। ट्रम्प प्रशासन ने अभी कुछ दिन पहले ही औपचारिक रूप से नेपाली नागरिकों के लिए टीपीएस को समाप्त कर दिया - एक ऐसी नीति जिसने एक बार 2015 के भूकंप के बाद अमेरिका में रहने वाले लगभग 7,000 नेपालियों को निर्वासित होना पड़ेगा। रविवार की चार्टर्ड निर्वासन उड़ान में, लौटाए गए लोगों में से सभी ऐसे नागरिक शामिल हैं जो मानव तस्करी के जरिए मोटी रकम देकर अनियमित और खतरनाक मार्गों का उपयोग करके अमेरिका में प्रवेश किया था। नेपाल के मानव तस्करी रोधी ब्यूरो के अधिकारी अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या समूह में से कोई तस्करी नेटवर्क या श्रम शोषण का शिकार हुआ था। प्रारंभिक पूछताछ से पता चलता है कि निर्वासितों में से कुछ ने नेपाली करेंसी में 40 लाख रुपये से लेकर 80 लाख रुपये तक खर्च किया था। अमेरिका तक पहुंचने के लिए पहले ब्राजील, कोलंबिया और मैक्सिको जैसे देशों के माध्यम से खतरनाक यात्रा कर अमेरिकी सीमा तक पहुंचे थे। अधिकारियों ने कहा कि सभी 37 व्यक्तियों को उनके परिवारों के साथ फिर से मिलने से पहले स्वास्थ्य जांच और सुरक्षा जांच से गुजरना होगा।

डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज का ट्रंप पर हमला, बोले- अमेरिका तानाशाहों से नहीं डरता

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में अल्पसंख्यक दल के नेता हकीम जेफ्रीज ने कैलिफोर्निया में हुए एक विवादास्पद गिरफ्तारी मामले को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करते हुए उन्हें तानाशाही प्रवृत्ति वाला व्यक्ति करार दिया है। जेफ्रीज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कैलिफोर्निया एसईआईयू अध्यक्ष डेविड ह्यूएर्ता की हिंसक गिरफ्तारी और हिरासत पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए और उन पर लगाए गए सभी आरोप हटाए जाने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कानून प्रवर्तन की निगरानी करना कोई अपराध नहीं है। राष्ट्रीय गार्ड की तैनाती एक उकसावे की कार्रवाई है। यह अमेरिका है, और हम कार्यपालिका में बैठे किसी तथाकथित तानाशाह से डरने वाले नहीं हैं। हकीम जेफ्रीज ने यह भी स्पष्ट किया कि ह्यउस डेमोक्रेट्स इस मामले में डेविड ह्यूएर्ता के साथ पूरी मजबूती से खड़े रहेंगे और जब तक आरोप हटाए नहीं जाते और संघीय कार्रवाई की पूरी जांच नहीं होती, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। जेफ्रीज ने यह बयान सेवा कर्मचारी अंतरराष्ट्रीय यूनियन (एसईआईयू) की कैलिफोर्निया शाखा के अध्यक्ष डेविड ह्यूएर्ता की गिरफ्तारी के विरोध में दिया। ह्यूएर्ता को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह लॉस एंजेलिस के पास पैरामाउंट में हो रहे आव्रजन विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कानून प्रवर्तन एजेंसियों की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। इससे पहले, राष्ट्रपति ट्रंप ने लॉस एंजेलिस में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड के 2000 जवानों की तैनाती का आदेश दिया है, जिससे स्थानीय प्रशासन और नागरिक अधिकार संगठनों में रोष देखा जा रहा है।

2 देशों के नागरिकों पर लगा यात्रा प्रतिबंध लागू हुआ, अमेरिकी दूतावासों को जारी हुए दिशा-निर्देश

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिन 12 अफ्रीकी और मध्य पूर्वी देशों के नागरिकों के अमेरिका आने पर जो प्रतिबंध लगाया था, वह सोमवार से लागू हो गया। यह प्रतिबंध ऐसे समय लागू हुआ है, जब पहले से ही अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की अप्रवासन नीति का विरोध हो रहा है और इसे लेकर लॉस एंजेलिस में हिंसा भड़की हुई है। जिन 12 देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाया है, उमें अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, रिपब्लिक ऑफ कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, एरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल है। साथ ही बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला के उन नागरिकों पर, जो अमेरिका के बाहर हैं और उनके पास वैध वीजा भी नहीं है, उन पर

वीजा प्रतिबंध कड़े किए गए हैं। हालांकि जिन लोगों को प्रतिबंध लगाए जाने से पहले ही अमेरिकी वीजा जारी हो चुका है, उन पर प्रतिबंध लागू नहीं होगा। इस संबंध में सभी अमेरिकी दूतावासों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिन देशों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है, उनके नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और उन्हें पर्यटक वीजा, छात्र वीजा, वर्क वीजा और अप्रवासी वीजा भी नहीं दिया जाएगा। वहीं आंशिक प्रतिबंध के तहत उन देशों के नागरिकों पर कुछ खास तरह के वीजा पर ही रोक लगाई जाएगी बाकी पर नहीं। हैती-अमेरिकी एल्वेनिस लुइस-जस्टे, जो न्यू जर्सी के नेवार्क में हवाई अड्डे पर अपने गृह राज्य फ्लोरिडा के लिए उड़ान का इंतजार कर रही थीं, लुइस जस्टे ने कहा कि अमेरिका आने के इच्छुक कई हैतीवासी बस अपने देश में हिंसा और अशांति से बचना चाहते हैं। लुइस-जस्टे ने यात्रा प्रतिबंध के बारे में कहा, 'मेरा परिवार हैती में रहता है, इसलिए यह देखना और सुनना बहुत परेशान करने वाला है। मुझे नहीं लगता कि यह अच्छी बात है। मुझे लगता है कि यह बहुत परेशान करने वाला है।'बीते हफ्ते ही राष्ट्रपति ट्रंप ने 12 देशों को लोगों के अमेरिका आने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। प्रतिबंध की घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को ऐसे विदेशी नागरिकों से सुरक्षित रखना जरूरी है, जो आतंकवादी हमले करने, राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने, नफरत फैलाने या इमीग्रेशन कानूनों का गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।

बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल हामिद थाईलैंड से इलाज करवाकर स्वदेश लौटे

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल हामिद थाईलैंड से इलाज करवाकर स्वदेश लौट आए। वह सोमवार आधीरात लगभग 1:30 बजे थाई एयरवेज की उड़ान (टीजी 339) से ढाका पहुंचे। औपचारिक प्रक्रिया को पूरा करने के बाद वह लगभग 2:45 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से घर के लिए रवाना हुए। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्यकारी निदेशक ग्रुप कैप्टन रागीब समद ने अब्दुल हामिद के स्वदेश लौटने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि अब्दुल हमीद नियमित यात्री के रूप में लौटे और उन्होंने कोई विशेष प्रोटोकॉल नहीं मांगा। पिछले साल पांच अगस्त को बड़े पैमाने पर छात्र और सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना

और उनकी पार्टी के पतन के बाद कई अवामी लीग के नेता देश छोड़कर भाग गए थे। हालांकि, अब्दुल हामिद बांग्लादेश में ही रहे। हामिद नौ महीने बाद चिकित्सा कारणों से थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक चले गए। अब्दुल हामिद कथित तौर पर हत्या के एक मामले का सामना कर रहे हैं। यह मामला 14 जनवरी को किशोरगंज सदर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। इसी मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, शेख रेहाना, सजीब वाजेद जॉय, साइमा वाजेद पुतुल और ओबैदुल कादर का भी नाम है। हामिद ने अवामी लीग के शासन के दौरान 2013 से 2023 तक लगातार दो कार्यकाल के लिए बांग्लादेश के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

द. कोरियाई राष्ट्रपति ने जापानी प्रधानमंत्री से फोन पर की बातचीत

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यांग ने सोमवार को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा से फोन पर बातचीत की।राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि लगभग 25 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई, जिसके दौरान दोनों नेताओं ने दक्षिण कोरिया और जापान के बीच मजबूत और अधिक परिपक्व संबंध बनाने पर सहमति व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसंबर में मार्शल लॉ की असफल कोशिश के कारण श्री ली के पूर्ववर्ती को पद से हटाये जाने के बाद चुनाव करवाया गया जिसके बाद श्री ली ने चार जून को पदभार संभाला था।

मलेशिया में सड़क दुर्घटना में 15 लोगों की मौत

कुआलालंपुर। पेराक राज्य में ईस्ट-वेस्ट हाईवे पर सुबह छात्रों को ले जा रही एक बस को एक बहुउद्देशीय वाहन ने टक्कर मार दी, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिविल डिफेंस फोर्स ने एक बयान में कहा कि स्थानीय समयानुसार सुबह 1:10 बजे हुई इस टक्कर में 48 लोग शामिल थे, जिनमें से 13 घटनास्थल पर मृत पाए गए। बरनामा के अनुसार, अस्पताल में दो और पीड़ितों की मौत की खबर है।

हसीना की भतीजी के यूनुस से मुलाकात के अनुरोध पर बांग्लादेश की सफाई, कहा- हमें कोई पत्र नहीं मिला

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटेन की पूर्व मंत्री ट्यूलिप सिद्दीकी की अंतरिम सलाहकार मोहम्मद युनूस से मुलाकात के अनुरोध पर उनके कार्यालय ने सफाई दी है। मोहम्मद यूनुस के कार्यालय के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि हमें अभी तक कोई पत्र नहीं मिला है।

प्रेस सचिव ने कहा कि हम पांच जून से ईद-उल-अजहा की छुट्टी पर हैं। हम सोमवार को शाम 7:30 बजे यूनाइटेड किंगडम के लिए रवाना होंगे। चूंकि हमें अभी तक पत्र नहीं मिला है, इसलिए इस मामले पर कुछ नहीं कह सकते। यूनुस 10-13 जून तक ब्रिटेन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स और डाउनिंग स्ट्रीट में कीर स्टार्मर से मिलेंगे।

मुझे अंतरिम सलाहकार से बात करनी है

ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीकी ने चार जून को पत्र लिखकर अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों पर गलतफहमी को दूर करने के लिए लंदन में यूनुस के साथ बैठक करने की मांग की है। सिद्दीकी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बैठक से ढाका में भ्रष्टाचार विरोधी समिति द्वारा फैलाई गई गलतफहमी दूर करने में मदद मिलेगी कि मुझे अपनी मौसी और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बारे में जवाब देने हैं।

मेरा बांग्लादेश में कोई हित नहीं

मैं ब्रिटेन की नागरिक हूं, लंदन में जन्मी हूं और पिछले एक दशक से संसद में हैम्पस्टेड और हाईगेट के लोगों का प्रतिनिधित्व कर रही हूं। बांग्लादेश में मेरी कोई संपत्ति या कोई व्यावसायिक हित नहीं है। सिद्दीकी ने

कहा कि मैंने एसीसी से इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन उन्होंने लंदन में मेरे वकीलों से बात करने से इनकार कर दिया है और जाहिर तौर पर ढाका में गलत पते पर पत्राचार किया जा रहा है।

राजनीति से प्रेरित हैं आरोप

वहीं बांग्लादेश की भ्रष्टाचार विरोधी समिति (एसीसी) ने दावा किया कि हसीना की भतीजी सिद्दीकी या उनकी मां ने सत्ता और प्रभाव का दुरुपयोग करके 7,200 वर्ग फुट का भूखंड प्राप्त किया। जबकि सिद्दीकी ने आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने आरोपों को राजनीति से प्रेरित और निराधार बताया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि किसी भी आरोप के संबंध में अधिकारियों ने उनसे संपर्क नहीं किया।

मुझे कोई वारंट नहीं मिला

सिद्दीकी ने दावा किया कि हसीना के विरोधियों द्वारा चलाए जा रहे राजनीति से प्रेरित अभियान के तहत उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। पिछले महीने बांग्लादेश में सिद्दीकी की गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया था। सिद्दीकी का दावा है कि उन्हें ऐसे किसी वारंट या अदालती सुनवाई की कोई जानकारी नहीं है।

खुद घुस जाओ अंदर,...

अवनीत कौर

के क्लीवेज पर फोकस करने पर पैपराजी पर भड़का सुयश राय का गुस्सा, कहा-तमीज़ कहां गई

एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। कोई इवेंट हो या फंक्शन, अक्सर उनका बोल्ड लुक देखने को मिलता है। अब हाल ही में अवनीत एक अवॉर्ड फंक्शन में डीप नेक और थाई-हाई स्लिट बॉडीकॉन ड्रेस पहनकर पहुंची, जिसने हर किसी...

एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। कोई इवेंट हो या फंक्शन, अक्सर उनका बोल्ड लुक देखने को मिलता है। अब हाल ही में अवनीत एक अवॉर्ड फंक्शन में डीप नेक और थाई-हाई स्लिट बॉडीकॉन ड्रेस पहनकर पहुंची, जिसने हर किसी का ध्यान खींचा। रेड कार्पेट पर उनकी अदाओं और लुक को देखकर जहां फैंस दीवाने हो गए, वहीं एक घटना ने इस मौके को विवाद में भी बदल दिया।

इस इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसमें अवनीत के लुक को कवर करते हुए कैमरा उनके चेस्ट एरिया पर जूम इन करता नजर आया। इस हरकत को देखकर कई यूज़र्स और सेलेब्स ने अपनी नाराजगी जताई। वहीं, टीवी एक्टर सुयश राय इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए बेहद नाराज़ नज़र आए।

उन्होंने लिखा: क्यों जूम किया? खुद घुस जाओ अंदर? हां, वो सुंदर लग रही है लेकिन आप लोग मीडिया के तौर पर क्या कर रहे थे? तमीज़, बेसिक्स कहां गई? ऐसा तो हो नहीं सकता कि आपके घर की कोई महिला इस तरह की रिकॉर्डिंग से खुश हो। ये बेहद दुखद है।"

उनकी इस टिप्पणी को सोशल मीडिया पर काफी समर्थन मिला और कई लोगों ने उन्हें सपोर्ट करते हुए मीडिया को आड़े हाथों लिया।

वहीं, इस घटना के पर अवनीत कौर ने अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन सोशल मीडिया पर लगातार इस पर बहस जारी है।

अमिताभ की उम्र के एक्टर से कांप गई थीं माधुरी दीक्षित, इस हरकत के बाद लगाई थी जमकर फटकार

दिग्गज एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने चालीस साल पहले हिंदी सिनेमा में अपने कदम रखे थे. साल 1984 की फिल्म 'अबोध' उनके करियर की पहली फिल्म थी. हालांकि उन्हें पहली बड़ी और खास पहचान 1988 की पिक्चर 'तेजाब' से मिली थी. अनिल कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करके वो दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहीं. इसके बाद एक्ट्रेस ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा.

अपने लंबे और सफल करियर में माधुरी ने कई दिग्गज अभिनेताओं के साथ काम किया. हालांकि अमिताभ बच्चन की उम्र के अभिनेता रंजीत के साथ एक फिल्म के दौरान काम करने का उनका एक्सपीरियंस बेहद खराब रहा. एक रेप सीन में रंजीत, माधुरी के साथ जरूरत से ज्यादा रिएक्ट कर रहे थे और अपनी हदें पार कर चुके थे. इस घटना से माधुरी कांप गई थीं और उन्होंने सेट पर ही सबके सामने अभिनेता को फटकार लगा दी थी.

'प्रेम प्रतिज्ञा' के सेट पर घटी थी घटना

बात है साल 1989 में रिलीज हुई फिल्म 'प्रेम प्रतिज्ञा' के सेट की. इसमें माधुरी के साथ मिथुन चक्रवर्ती और विनोद मेहरा जैसे सितारों ने लीड रोल निभाया था. डायरेक्टर बापू (सत्तिरजू लक्ष्मीनारायण) की फिल्म में रंजीत विलेन के किरदार में थे. उनके अलावा सतीश कौशिक, देवेन वर्मा, नीलू फुले और अरुणा ईरानी ने भी इसमें काम किया था.

फिल्म में माधुरी और रंजीत के बीच एक रेप सीन भी दिखाया गया था. पहले तो माधुरी ने इस तह के सीन के लिए मना कर दिया था. हालांकि मेकर्स की समझाइश के बाद वो मान गईं थीं. लेकिन, इंडस्ट्री में पहले से ही खूंखार विलेन की छवि बना चुके रंजीत को देखकर माधुरी डर रही थीं. इसके शूट के दौरान तो रंजीत ने एक्ट्रेस को जरुरत से ज्यादा जोर से पकड़ लिया था. सीन खत्म होने के बाद भी एक्टर माधुरी को नहीं छोड़ रहे थे. इस घटना के बाद एक्ट्रेस कांप उठी थी और रोने लगी थीं.

माधुरी ने रंजीत को लगा दी थी फटकार

जब रंजीत सीन के दौरान बहक गए तो माधुरी के सब्र का बांध भी टूट पड़ा. अपने साथ हुई हरकत से माधुरी खामोश नहीं रहीं और रंजीत को सेट पर ही सबके सामने जोरदार फटकार लगा दी. एक्ट्रेस ने विलेन को फिर कभी हाथ ना लगाने की धमकी भी दी थी. बता दें कि प्रेम प्रतिज्ञा के बाद रंजीत और माधुरी ने साथ में 'कोयला' और 'किशन कन्हैया' जैसी फिल्मों में भी काम किया था.

2800 करोड़ की दौलत के मालिक हैं पति, शिल्पा शेट्टी के पास है सिर्फ इतना पैसा, जानें एक्ट्रेस की नेटवर्थ

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी आज 50 साल की हो चुकीं हैं. शिल्पा का जन्म 8 जून 1975 को कर्नाटक के मैंगलोर में सुनंदा शेट्टी और सुरेंद्र शेट्टी के घर हुआ था. बॉलीवुड में 1993 में अपनी शुरुआत करने वाली शिल्पा, 90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस थीं. उन्होंने अपनी अदाकारी के साथ ही अपनी खूबसूरती और फिटनेस से भी फैंस का दिल जीता है.शिल्पा शेट्टी ने बतौर एक्ट्रेस काफी नाम और शोहरत कमाई हैं. वहीं वो सबसे अमीर एक्ट्रेसिस में से भी एक हैं. हालांकि संपत्ति के मामले में एक्ट्रेस अपने पति राज कुंद्रा के आगे बिल्कुल नहीं टिकती हैं. आइए आज आपको शिल्पा के बर्थडे के खास मौके पर उनकी नेटवर्थ के बारे में बताते हैं. जानते हैं कि आखिर पति के मुकाबले एक्ट्रेस के पास कितना पैसा है.

'बाजीगर' से किया था डेब्यू

शिल्पा शेट्टी ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत 18 साल की उम्र में फिल्म 'बाजीगर' से की थी. इसमें उनके साथ काजोल, जॉनी लीवर, सिद्धार्थ रे और शाहरुख खान जैसे सितारों ने काम किया था. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई. इसके बाद एक्ट्रेस ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. उन्होंने अपने 32 साल के करियर में 'अपने', 'लाइफ इन ए मेट्रो', 'इंडियन', 'धड़कन', 'जानवर', 'हथकड़ी', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' सहित कई शानदार फिल्मों में काम किया है.

2009 में राज कुंद्रा से की थी शादी

बॉलीवुड में अपने करियर के शुरुआती दिनों के दौरान शिल्पा शेट्टी का नाम सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ खूब जुड़ा था. दोनों ने अपने अफेयर से जमकर सुर्खियां बटोरी थीं. हालांकि जल्द ही दोनों का ब्रेकअप हो गया था. शिल्पा ने अक्षय पर चीट करने के आरोप लगाए थे. अक्षय से अलग होने के कई सालों के बाद शिल्पा ने 2009 में बिजनेसमैन राज कुंद्रा से शादी की थी. दोनों एक लग्जरी लाइफस्टाइल जीने के लिए जाने जाते हैं. मुंबई में कपल का समंदर के पास 'किनारा' नाम का एक आलीशान घर है. इसके अलावा उनकी लंदन में भी संपत्ति है. राज की टोटल नेटवर्थ 2800 करोड़ रुपये है.

शिल्पा शेट्टी के पास है सिर्फ इतनी दौलत

पति के मुकाबले दौलत के मामले में शिल्पा शेट्टी काफी पीछे हैं. वो फिल्मों के अलावा ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई करती हैं. एक फिल्म के लिए एक से दो करोड़ रुपये लेने वाली शिल्पा ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए 1 करोड़ रुपये तक चार्ज करती हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी टोटल नेटवर्थ 134 करोड़ रुपये है. शिल्पा का एक यूट्यूब चैनल भी है, जहां वो योगा सिखाती हैं और फिटनेस टिप्स देती हैं.

4 बार शादी कर सकती हूं, मुझे शर्म नहीं...दो तलाक के बाद फिर प्यार ढूंढ रही हैं 47 साल की

दीपशिखा नागपाल

'बादशाह' और 'सिर्फ तुम' जैसी फिल्मों पॉपुलैरिटी बटोर चुकी दीपशिखा नागपाल ने छोटे पर्दे पर भी काम किया है। हाल ही में उन्होंने अपनी दो शादियों के बारे में बात की और कहा कि अगर चीजें सही रहें तो वे फिर से नया रिलेशनशिप बना सकती हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान दीपशिखा से पूछा गया कि क्या वह एक बार फिर से शादी करने के बारे में सोचेंगी। इस पर एक्ट्रेस ने कहा-एक से ज्यादा बार शादी करने में कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि वह पहले ही दो तलाक से गुज़र चुकी हैं। मैं तीन बार, चार बार शादी कर सकती हूं। मुझे इसमें कोई शर्म नहीं है कम से कम मैं अपनी लाइफ जी रही हूं। जब मैं दो लोगों को देखती हूं जो आपस में नहीं मिलते।

एक्ट्रेस ने कहा-मैंने हमेशा गलत कारणों से शादी की।आपको हमेशा सही कारणों से शादी करनी चाहिए इसलिए मैं हर चीज के लिए लड़के को दोष नहीं दे सकती।मुझे लगता है कि मैं एक कट्टर रोमांटिक हूं. मैं प्यार में विश्वास करती हूं, मैं रोमांस में विश्वास करती हूं, मैं शादी में विश्वास करती हूं,दो लोग एक साथ हो सकते हैं इसलिए अगर यह काम नहीं कर रहा है तो इसे बर्बाद करने के बजाए अपना जीवन जीना बेहतर है। आपको अपना जीवन जीना चाहिए।

बता दें कि दीपशिखा की पहली शादी जीत उपेंद्र से हुई थी और 2007 में वे अलग हो गए थे। इसके बाद उन्होंने 2012 में कैशव अरोड़ा से शादी की और 2016 में उनका तलाक हो गया था।

पश्चिम विहार में हुआ भक्तिमय सुंदरकांड पाठ, धीरेन्द्र शास्त्री और महंत राजू दास ने दिया आशीर्वाद

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के पश्चिम विहार स्थित ब्लॉक-6 क्षेत्र में हिंदू सुरक्षा सेवा संघ एवं बागेश्वर धाम सुंदर कांड मंडल दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बागेश्वर धाम से भी श्रद्धालु पहुंचे। सुंदरकांड का भावपूर्ण पाठ एवं भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देने वालों का फूलों की मालाओं से स्वागत किया गया।विशेष रूप से, बागेश्वर धाम सरकार पूज्य पंडित धीरेन्द्र शास्त्री से वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़कर उन्होंने सनातन धर्म की महिमा का बखान किया और कहा कि ऐसे सुंदरकांड कार्यक्रम पूरे दिल्ली में होने चाहिए ताकि सनातन धर्म की चेतना जागृत हो इसके साथ ही, अयोध्या हनुमान गढ़ी के पूज्य महंत राजू दास ने भी वीडियो कॉल के माध्यम से आशीर्वचन देते हुए सनातन धर्म के साथ अडिग रहने की बात कही। कार्यक्रम का समापन भगवान श्रीराम और बजरंगबली की आरती के साथ हुआ। भक्तों ने भावविभोर होकर आरती में भाग लिया और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग जरूरी : राय

नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को आतंकवाद को वैश्विक समस्या बताते हुए कहा कि आतंकवाद न केवल एक देश की बल्कि पूरी मानवता की साझा चिंता है। उन्होंने आतंकवाद को पूरी तरह हराने के लिए केवल सैन्य कार्रवाई को नाकाफी बताते हुए वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया। राय ने दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 23वीं राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद आज वैश्विक शांति, उन्नति और मानवाधिकारों पर मंडराने वाला सबसे बड़ा खतरा है। आतंकवाद किसी भी देश की भौगोलिक सीमा तक सीमित रहने वाला नहीं है। आतंकवाद सिर्फ आतंकवाद है, चाहे वह किसी भी देश में हो। राय ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। देशों को एक साथ आना चाहिए, खुफिया जानकारी साझा करनी चाहिए और आतंकवादियों के नेटवर्क को प्रभावी ढंग से खत्म करने के लिए उनके इरादों और तंत्र को उजागर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत एक जिम्मेदार लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में पूर्ण सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। हम शांति प्रिय और सद् समाज के निर्माण के लिए संकल्पित हैं। मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में किसी भी प्रकार की राजनीतिक इच्छा शक्ति या संसाधनों में कोई कमी नहीं आने दी है। राय ने कहा कि एनएसजी भारत की सुरक्षा का एक मजबूत स्तंभ है। एनएसजी ने देश को एक बार नहीं बल्कि बार-बार गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि एनएसजी की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, खासकर जब सुरक्षा चुनौतियों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। आज का युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं बल्कि साइबर स्पैस, सूचना क्षेत्र और शहरों के भीतर भी लड़ा जा रहा है। आतंकवाद, साइबर हमले, हाईब्रिड युद्ध जैसी नई चुनौतियों के कारण अब हमें पहले से भी अत्यधिक सतर्क और अधिक तैयार रहना होगा। ऐसे में एनएसजी की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

विदेशी प्रकोष्ठ, उत्तर-पश्चिम जिले द्वारा सफल तलाशी अभियान: वजीरपुर और एनएस मंडी के क्षेत्र में 66 अवैध बांग्लादेशी नागरिक (11 परिवार) पकड़े गए

दिव्य दिल्ली : उत्तर-पश्चिम जिले की समर्पित टीम ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए निरंतर और सावधानीपूर्वक निगरानी अभियान के बाद भारत में अवैध रूप से रह रहे 66 बांग्लादेशी नागरिकों (11 परिवारों) को पकड़ा। उत्तर-पश्चिम जिले के अधिकार क्षेत्र में रह रहे अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया था। तदनुसार, इंस्पेक्टर विपिन कुमार (विदेशी प्रकोष्ठ) और श्री की करीबी निगरानी में एसआई सपन, एसआई श्याम बीर, एएसआई विनय, कांस्टेबल हवा सिंह, एचसी टीका राम, एचसी परवीन, एचसी कपिल, एचसी विकास, सीटी निशांत और सीटी दीपक वाली दो समर्पित टीमों ने छापेमारी की। रंजीव कुमार, एसीपी/विदेशी प्रकोष्ठ, और नीचे हस्ताक्षरकर्ता के समग्र पर्यवेक्षण को गहन निगरानी करने, खुफिया जानकारी एकत्र करने और अनुवर्ती कार्रवाई करने का कार्य सौंपा गया था। एक सक्रिय और खुफिया जानकारी से प्रेरित ऑपरेशन में, उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस के विदेशी सेल ने दिल्ली में अवैध रूप से रहने वाले 66 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। सफल छापेमारी पीएस भारत नगर और पीपी एनएस मंडी, पीएस महेंद्र प्राक के अधिकार क्षेत्र में की गई थी। यह ऑपरेशन राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले अनधिकृत विदेशी नागरिकों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा था। यह क्षेत्र में अवैध प्रवासियों की उपस्थिति के बारे में विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के बाद लॉन्च किया गया था। उत्तर पश्चिम जिले के विदेशी सेल ने विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने पर निर्णायक रूप से कार्रवाई की कि 11 बांग्लादेशी परिवार पीएस भारत नगर और पीपी एनएस मंडी, पीएस महेंद्र प्राक के अधिकार क्षेत्र में रह रहे उद्देश्य स्पष्ट था: जिले भर में अनधिकृत समूहों में रह रहे अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान करना और उनके खिलाफ कार्रवाई करना। खुफिया सूचनाओं ने विशेष रूप से वजीरपुर जेजे क्लस्टर और एनएस मंडी क्षेत्रों में बांग्लादेशी नागरिकों की हाल की आवाजाही पर प्रकाश डाला। कथित तौर पर पड़ोसी राज्य हरियाणा से आए ये परिवार पुलिस द्वारा अवैध प्रवासियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ इस तरह के अभियानों की व्यापक मीडिया कवरेज के बाद दिल्ली चले आए थे। पहचान से बचने के प्रयास में, उन्होंने उचित दस्तावेजों के अभाव में घनी आबादी वाले और अनौपचारिक इलाकों में बसना चुना, जिससे अधिकारियों के लिए उनका पता लगाना चुनौतीपूर्ण हो गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सभी 11 परिवार पहले हरियाणा के नूह (पूर्व में मेवात) के गांव ताइन में स्थित ईंट भट्टों (भट्ठा) में मजदूर के रूप में कार्यरत थे। खुफिया जानकारी से यह भी पता चला है कि पकड़े जाने से बचने के लिए, परिवार जानबूझकर दो समूहों में विभाजित हो गए थे और उत्तर पश्चिमी जिले के भीतर अलग-अलग स्थानों पर बस गए थे। जवाब में, दो विशेष टीमों ने घर-घर जाकर जांच, सड़कों पर गश्त और स्थानीय दुकानदारों और सड़क विक्रेताओं से बातचीत सहित व्यापक क्षेत्र सत्यापन अभियान चलाया। स्थानीय किराना स्टोर मालिकों और फल विक्रेताओं पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि संदिग्ध खरीद पैटर्न की पहचान की जा सके, खासकर उन लोगों की जो बच्चों के साथ परिवारों की उपस्थिति का संकेत देते हैं - जैसे कि दूध और अन्य बच्चों से संबंधित आपूर्ति की बार-बार खरीद। सक्रिय और खुफिया जानकारी से प्रेरित ऑपरेशन का उद्देश्य न केवल भागने की कोशिश करने वालों को पकड़ना था, बल्कि इस क्षेत्र में विदेशी नागरिकों की अवैध आवाजाही को रोकना भी था। आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के साथ अभियान जारी है। वजीरपुर जेजे कॉलोनी से 35 अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी पकड़े गए। एनएस मंडी क्षेत्र से 31 अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी पकड़े गए। इस दौरान 20 पुरुष, 16 महिलाएं और 30 बच्चों सहित कुल 66 अवैध विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। कुल 11 परिवारों ने पहचान से बचने और मोबाइल निगरानी के जरिए ट्रैकिंग से बचने के लिए जानबूझकर अपने मोबाइल फोन और सभी प्रकार के बांग्लादेशी पहचान दस्तावेजों को छुपाया था।

केरल में 'भारत माता' की तस्वीर पर विवाद जारी

राज्यपाल ने अर्पित किए पुष्प; सीपीआई ने हटाए पोस्टर

तिरुवनंतपुरम

केरल में भारत माता की तस्वीर को लेकर छिड़ा विवाद तेज होता जा रहा है। राजभवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने गोवा दिवस समारोह के दौरान भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। वहीं सीपीआई ने भारत माता की तस्वीर वाले स्थानीय पार्टी कार्यक्रम के पोस्टर को हटा दिया। राज्यपाल कार्यालय ने कहा कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत के तहत केरल राजभवन में गोवा स्थापना दिवस मनाया गया। वहीं सीपीआई ने 13 से 15 जून तक होने वाले स्थानीय पार्टी कार्यक्रम के पोस्टर हटा दिया। इस पोस्टर में तिरंगे की साड़ी पहने और राष्ट्रीय ध्वज पकड़े हुए भारत माता की तस्वीर लगी थी। सीपीआई जिला सचिव वीबी बीनू ने बताया कि पोस्टर के बारे में जानकारी मिलते ही अनावश्यक विवाद से बचने के लिए इसे सोशल मीडिया से हटाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज को पार्टी कार्यक्रमों या प्रतीकों के साथ जोड़ना सही नहीं है। केरल में विवाद तब शुरू हुआ जब राजभवन ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम में 'भारत माता' की तस्वीर का उपयोग किया।

गांव बनभौरी में सीएम फ्लाइंग टीम ने तीन सीएससी सेंटरों पर अचानक मारा छापा

दिव्य दिल्ली : समीपवर्ती गांव बनभौरी में स्थित तीन सीएससी सेंटरों पर गुप्त सूचना के आधार पर सीएम फ्लाइंग टीम ने कार्रवाई करते हुए अचानक छापेमार कार्रवाई को अंजाम दिया` इन तीन सीएससी सेन्टरो में की गई इस छापामार कार्रवाई में एक सीएससी सेंटर पर तो सब कुछ सामान्य मिला परंतु दो सीएससी सेंटरों पर अपात्र लोगों को वृद्धावस्था पेंशन और अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलवाए जाने फजीर्वाडे का खुलासा हुआ है` इन दोनों सेन्टरो पर की गई छापेमारी में सेन्टरो से मिले दस्तावेजों की चेकिंग की गई तो टीम को कई जिलों के आधार कार्ड, वोटर कार्ड, स्कूलों के एसएलसी फॉर्म, स्कूलों की फर्जी स्टंप व फर्जी दस्तावेज प्राप्त हुए` इन सभी दस्तावेजों को टीम ने अपने कब्जे में ले लिया है` टीम ने इन दोनों सेंटरों से दो लैपटॉप और एक सीपीयू, पेनड्राइव, एक मोबाइल फोन को अपने कब्जे में ले लिया है पुलिस ने मौके से एक सीएससी सेन्टर संचालक प्रवेश को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया है` इस मामले में सीएम फ्लाइंग टीम इंचार्ज द्वारा पुलिस को लिखित में शिकायत दे दी है इस छापेमार कार्रवाई का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग टीम इंचार्ज सुनैना द्वारा किया गया` इस टीम में सब इंस्पेक्टर जितेंद्र और एएसआई सुरेंद्र तथा जिला पुलिस टीम भी मौजूद रही` सीएम फ्लाइंग टीम की कार्रवाई की सूचना जैसे ही गांव बनभौरी में फैली तो गांव बनभौरी समेत आसपास क्षेत्र के सीएससी सेन्टर संचालकों में हड़कंप मच गया` गांव बनभौरी में एक सीएससी सेन्टर संचालक तो सीएम फ्लाइंग टीम की छापेमार कार्रवाई की सूचना मिलने के बाद अपने सीएससी सेंटर को ताला लगाकर रफू चक्कर हो गया` यह सीएससी सेन्टर संचालक फजीर्वाड़े सेंटरों का मुखिया था` सीएम फ्लाइंग टीम द्वारा गांव के मौजिज लोगों की मौजूदगी में इस सीएससी सेंटर में लगे ताले को खुलवाया गया और इस सेन्टर पर छापेमार कार्रवाई को अंजाम दिया गया`

इस सीएससी सेंटर पर कैथल, रोहतक, भिवानी और हिसार के लोगों की भी आई.डी. मिली और इस सीएससी सेंटर पर अपात्र लोगों से वृद्धावस्था पेंशन बनवाने के नाम पर ली गई हजारों रुपए की राशि का एक डायरी में लिखा ब्योरा भी मिला` इस डायरी को भी टीम ने अपने कब्जे में ले लिया है` इन दोनों सेन्टरो पर वास्तविक दस्तावेजों की डिजिटल एडिटिंग करके अपात्र लाभार्थियों के नाम पर वृद्धावस्था पैंशन और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाया जा रहा था` इस फजीर्वाड़े से सरकार को राजस्व की भी हानि हो रही थी`

इस मामले की प्रारंभिक जांच में बड़े पैमाने पर फजीर्वाडे के सबूत मिले हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि आगे आने वाले दिनों में इस मामले में और भी चौकाने वाले खुलासे हो सकते हैं तथा इस फजीर्बाडे में कई और भी सीएससी सेन्टर संचालकों पर गाज गिर सकती है`

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज का 23 वां दीक्षांत समारोह का हुआ भव्य आयोजन

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से संबद्ध एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान, ने आज अपने परिसर में भव्य दीक्षांत समारोहका आयोजन किया। इस विशेष अवसर पर विभिन्न संकायों के छात्रों को डिग्रियाँ एवं विशेष सम्मान प्रदान किए गए।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन औ रसरस्वती वंदना के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली शिक्षक विश्वविध्यालय के कुलपति प्रो॰धनंजय जोशी ने शिरकत की । अतिथि के रूप में देश के जानेमाने उद्योगपति श्री गोविन्द मुद्रा और इंडिया टीवी सुप्रसिद्ध एंकर सुश्री मिनाक्षी जोशी ने छात्रों को सम्बोधित किया और विषय के लिए शुभकामनाएँ दी। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता संस्थान के टेक्निया ग्रुपऑफ इंस्टीट्यूशन्स के संस्थापक डॉ राम कैलाश गुप्ताने की। डॉ. गुप्ता ने कहा कि नवाचारों और खोजों की दुनिया आपके आगमन की प्रतीक्षा कर रही है क्योंकि आपमें से प्रत्येक के पास सकारात्मक दिशा में बदलाव लाने की ताकत और कौशल है। हमें विश्वास है कि सभी छात्र अपने अल्मा-मेटर की विरासत को हमेशा अपने दिलों में रखेंगे और राष्ट्र की सेवा करेंगे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में छात्रों को जीवन में नैतिक मूल्यों और नवाचार के महत्व पर बल दिया। उन्होंने छात्रों को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को डिग्रियाँ प्रदान की गईं। साथ ही, उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों से भी छात्रों को सम्मानित किया गया। डीन प्रो.(डॉ.)एम.एन.झा ने कहा कि अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद अब आप विश्व की प्रतिस्पर्धा में अपने कदम रखने वाले हैं और मैं आपस सभी को तीन शूल देना चाहता हूं जिसमे पहला शूल मुस्कान है आप हमेशा जीवन में मुस्कुराते रहें, जीवन में बड़ा सोचो यह जीवन का दूसरा शूल है अगर आप बड़ा सोचेंगे तभी कुछ बड़ा कर पाएंगे और जीवन का तीसरा शूल है परम पिता परमात्मा में विश्वास करो जब आप की शक्ति के साथ परमपिता परमात्मा की शक्ति जुड़ जाएगी तो आपको दुनिया की कोई शक्ति हरा नहीं सकती। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर(डॉ.) अजय कुमार ने अपने भाषण में कहा, ह्न न केवल अकादमिक उत्कृष्टता बल्कि समग्र व्यक्तित्व विकास पर भी बल देता है। हमारे छात्रों की सफलता, हमारे शिक्षकों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रमाण है ह्नउन्होंने कहा की हम पूरा प्रयास कर रहे हैं की किस प्रकार विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें। समारोह कासमापन राष्ट्रगान के साथ हुआ और छात्रों ने अपने नए जीवन पथ पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष ड़ॉ शिवेन्दु राय ने कहा कि आज सभी डिग्री प्राप्तकताओं के लिए जीवन का एक बड़ा और यादगार दिन है, क्योंकि आज न केवल आपके सपने सच हो रहे हैं, बल्कि जिन लोगों ने आपके लिए और आपके साथ सपने देखे हैं, उनके सपने भी सच हो रहे हैं। दीक्षांत कार्यक्रम का संचालन सुश्री अपर्णा वत्स ने किया। इस मौके पर दीक्षांत समारोह के इंचार्ज मयंक अरोड़ा ने छात्रो के बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष ड़ॉ पूजा शर्मा, आईसीटी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो॰सुषमा बहुगुणा, ड़ॉ अर्चना दीक्षित, ड़ॉ गोपाल ठाकुर और कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रही।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397